पटना ● शुक्रवार, 31 मई 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः142 | www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नैक पीयर्स की टीम ने सेकेंड ... 3 | www. bordernewsmirror.com | सैफ के साथ अभिनय का... 8

फिलिस्तीन को मिला अब 'फिल्मिस्तान' का भी साथ

● बॉलीवुड सितारों ने इजरायल के खिलाफ खोला मोर्चा

तेलअवीव (एजेंसी)। राफा में रविवार को इजराइली एयरस्ट्राइक में 45 लोगों की मौत के बाद दुनियाभर में ऑल आइज ऑन राफा (सबकी नजर राफा पर) ट्रेंड कर रहा है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं से लेकर बॉलीवुड और हॉलीवुड के सेलेब्रिटीज तक इस ट्रेंड से जुड़ चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

इंस्टाग्राम पर पिछले 24 घंटे में इससे जुड़ी 4 करोड़ से ज्यादा पोस्ट शेयर किए जा चुके हैं। इनमें प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, माधुरी दीक्षित, ऋचा चड्ढा समेत कई स्टार्स शामिल हो चुके हैं। कई देशों और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के लाख मना करने के बावजूद बेंजामिन नेतन्याहू की सेना ने दक्षिण गाजा के शहर राफा में जो कत्लेआम मचाया है, उससे पूरी दुनिया सन्न है। इजरायली सेना ने लगातार तीन दिन राफा के दो राहत शिविरों पर ताबड़तोड़ हमले किए। इन हमलों में पहले 45 लोग मारे गए।

सपा नेता आजम खान को 10 साल की सजा का ऐलान

● डूंगरपुर मामले में रामपुर की कोर्ट ने 14 लाख का जुर्माना भी लगाया

रामपुर (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान को डूंगरपुर बस्ती केस में रामपुर की कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आजम खान पर 14 लाख का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने

बुधवार को आजम और बरकत अली को दोषी ठहराया था। जिला शासकीय सहायक अधिवक्ता सीमा सिंह राणा ने बताया आजम खान को 10 और बरकत अली को 7 साल की सजा सुनाई है। आजम और बरकत ने घर में घुसकर मारपीट और लूटपाट की थी। फिलहाल, आजम सीतापुर जेल में बंद हैं। जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उनकी पेशी हुई। आज जिस केस में आजम को दोषी ठहराया गया, वह अबरार ने दर्ज कराया था।

पूर्व सीएम खट्टर की चेतावनी पर भड़के कर्मचारी

● बोले-मतगणना से पहले कर्मचारियों पर दबाव बनाने की कोशिश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर और भाजपा नेताओं द्वारा कर्मचारियों और अधिकारियों को धमकी देने का मामला तूल पकड़ने लगा है। इसको लेकर कर्मचारियों ने नाराजगी जताई है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने इसे

आचार संहिता का उल्लंघन बताया है। इसकी शिकायत भारतीय चुनाव आयोग से कर दी है। उन्होंने कहा कि मनोहर लाल खट्टर इस समय सिर्फ लोकसभा कैंडीडेट हैं, इसके बावजूद वह लगातार प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी को धमकी दे रहे हैं। दरअसल, कुछ दिन पहले सीएम नायब सैनी ने कहा था कि अफसरों की मनमानी हम सरकार में नहीं चलने देंगे। लिस्ट तलब कर ली गई है। वहीं पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा था कि आज तुम्हारा टाइम है, 4 जून के बाद हमारा टाइम आएगा।

नफरत फैला रहे हैं मोदी, सेना पर थोपी अग्निवीर योजना

पंजाब के वोटरों को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने लिखा खत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी यानी सातवें चरण से पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने गुरुवार को पंजाब के लोगों को संबोधित करते हुए एक खत लिखा है। इस दौरान उन्होंने मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा पंजाब और उसके निवासियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता व्यक्त की। डॉ. मनमोहन सिंह ने पत्र में कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने सर्वाधिक नफरत फैलाने वाले द्वेषपूर्ण भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह विभाजनकारी प्रकृति के हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी विशेष वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घृणित, असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। पूर्व पीएम ने लिखा, मैं इस चुनाव अभियान के दौरान राजनीतिक चर्चाओं को बहुत ध्यान से देख रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद घृणास्पद भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह से विभाजनकारी हैं। मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद और प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया है। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए इतनी घृणित, असंसदीय और निम्नस्तरीय भाषा का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने मेरे लिए भी कुछ गलत बयान दिए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया। यह भाजपा की आदत है। मनमोहन सिंह ने लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के तहत एक जून को होने वाले मतदान से पहले पंजाब के मतदाताओं से अपील करते हुए दावा किया कि केवल कांग्रेस ही है जो ऐसा विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है, जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा होगी। पंजाब के मतदाताओं को लिखे एक पत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सशस्त्र बलों पर अग्निवीर योजना थोपने का भी आरोप लगाया और कहा, ''भाजपा सोचती है कि देशभक्ति, शौर्य और सेवा का मूल्य केवल चार साल है।

यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाता है।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, ''अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी खास वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के मकसद से इस तरह के द्वेषपूर्ण, असंसदीय और असभ्य शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने मेरे लिए कुछ गलत बयान भी दिए हैं। मैंने अपने जीवन में कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया है।

सरकार बनते ही बढ़ जाएगी सेना की ताकत

के-9 वज्र के लिए खर्च होंगे 6000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र में नई सरकार बनते ही भारतीय सेना को और शक्तिशाली बनाने की तैयारी चल रही है। रक्षा शस्त्रागार को और घातक किया जाएगा। केंद्र सरकार की तरफ से अंतिम मंजूरी देनी बाकी है। नई सरकार बनते ही के-9 वज्र ऑटोमैटिक हॉवित्जर जैसे कई रक्षा

सौदों को मंजूरी मिलने वाली है। इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि 100 और के 9 वज्र तोपें और 30 एमएमडी के लिए इंजन खरीदने के लिए 6,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सभी हथियारों को आत्मनिर्भरता परियोजना के तहत भारत में ही बनाया जाएगा। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि केंद्र द्वारा मंजूरी दिए जाने वाली परियोजनाओं में मिसाइल विकास परियोजनाएं भी शामिल हैं, जिन्हें अनुसंधान और विकास के लिए शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि के-9 वज्र को पाकिस्तान और चीन की सीमाओं पर तैनात किया गया है।

जम्मू में बड़ा हादसा, खाई में गिरी यूपी की बस, 21 की मौत

40 लोग घायल, यूपी के 90 तीर्थयात्री थे सवार, हाथरस से शिव खोरी जा रहे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-पूंछ राष्ट्रीय राजमार्ग (144ए) पर अखनूर के टूंगी मोड़ क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां एक यात्रियों से भरी बस गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में अब तक 21 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब 40 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। इनमें 20 को जीएमसी जम्मू रेफर किया गया है। पुलिस व स्थानीय लोगों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। खाई से निकाल कर घायलों को अखनूर उपजिला अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां से गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जम्मू मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उत्तरप्रदेश नंबर की यह बस जम्मू से शिवखोड़ी धाम जा रही था। शिवखोड़ी धाम रियासी जिले के पौनी में स्थित है, जो कि कटड़ा सिथ्त माता वैष्णो देवी मंदिर से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। जानकारी के अनुसार, बस का नंबर है- यूपी 86ईसी 4078 बताया गया है। यह बस अखनूर के टूंगी मोड़ में गहरी खाई में जा गिरी। इस तीखे मोड़ पर सामने से आ रही एक बस के आने से हादसे वाली बस चालक का संतुलन बिगड़ा गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने इस भयंकर दुर्घटना पर दुख जताया है।

बड़ी खुशखबरी! केरल पहुंचा मानसून, अब होगी झमाझम

आईएमडी का ऐलान, भीषण गर्मी से जल्द मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विज्ञान विभाग ने औपचारिक तौर पर ऐलान कर दिया है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून केरल पहुंच गया है। अमूमन मॉनसून एक जून को केरल पहुंचता है लेकिन इस साल अपने तय समय से तीन दिन पहले ही मॉनसून पहुंच चुका है। आईएमडी के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि सभी स्थितियों के आंकलन के बाद आज हमने केरल में मानसून के पहुंचने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि केरल के अधिकांश हिस्सों और पूर्वोत्तर के कई हिस्सों को मॉनसून कवर कर चुका है। कुमार ने बताया कि अगले 3-4 दिनों में तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ हिस्सों के साथ-साथ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और शेष पूर्वोत्तर राज्यों को कवर कर लेने की संभावना है। बता दें कि अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम में मॉनसून के आगमन की सामान्य तिथि 5 जून है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मॉनसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मॉनसून के जल्दी आने का एक कारण हो सकता है।

पीएम मोदी का विवेकानंद रॉक पर 45 घंटे का ध्यान

● कन्याकुमारी में 1 जून तक रहेंगे, भगवती अम्मन देवी की पूजा भी की

कन्याकुमारी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कन्याकुमारी में विवेकानंद रॉक मेमोरियल के ध्यान मंडपम में 45 घंटे का ध्यान शुरू हो चुका है। वे 1 जून तक

ध्यानमग्न रहेंगे। मोदी उसी जगह ध्यान कर रहे हैं, जहां स्वामी विवेकानंद ने भी ध्यान किया था। लोकसभा चुनाव के प्रचार का शोर थमते ही पीएम मोदी गुरुवार की शाम कन्याकुमारी पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी सफेद धोती और शॉल पहना था। पुजारियों ने उन्हें विशेष आरती कराई और प्रसाद, शॉल और देवी भगवती अम्मन की फ्रेम में मढ़ी हुई तस्वीर दी। मोदी तिरुवनंतपुरम से कन्याकुमारी हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे। यहां से वे ध्यान मंडपम तक फेरी से पहुंचे। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री की ध्यान यात्रा करने पर चुनावी कानून के तहत कोई रोक नहीं है।

इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं सात पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा

पंजाब को होशियारपुर की रैली में पीएम मोदी ने विपक्ष पर कर दिया बड़ा वार

होशियारपुर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने 30 मई को लोकसभा चुनाव-2024 की आखिरी रैली को संबोधित किया। यह फतेह रैली पंजाब के होशियारपुर में हुई। पीएम ने इंडिया गठबंधन और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले मेरा मुंह न खुलवाएं, 7 पीढ़ी के पाप निकालकर रख दूंगा। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले वीरों का अपमान करते हैं। पूर्व सीडीएस विपिन रावत का भी अपमान किया। उन्होंने कहा कि सेना 26 जनवरी के लिए तैयार नहीं की जाती है। सेना लड़ाई के लिए तैयार की जाती है, लेकिन इन्होंने सेना को भी राजनीति का हथियार बना दिया है। इन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे। सेनाओं को कमजोर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन सेना का अपमान मोदी बर्दाश्त नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डबल पीएचडी कर ली है। कांग्रेस की गोद से कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी (एएपी) पैदा हुई है। कहते थे कि पंजाब को नशा मुक्त करेंगे, लेकिन इन्होंने नशे को ही अपनी कमाई का तरीका बना लिया। पंजाब में दोनों पार्टियां आमने-सामने लड़ने का दावा कर रही हैं, जबकि दिल्ली में एक साथ हैं।

गाजा की जंग में कूदा चीन फिलिस्तीन की करेगा मदद

बीजिंग (एजेंसी)। राफा में इजराइल के ताजा हमले के बाद इजरायल-हमास युद्ध एक बार फिर चर्चा में है। इस बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को बीजिंग में अरब देशों के नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन की शुरुआत की है। यहां जिनपिंग ने गाजा में प्रभावित लोगों के लिए मानवीय सहायता देने की घोषणा की है और फ्री-फिलिस्तीन के नारे को भी दोहराया है। शी ने चीन-अरब स्टेटस कोऑपरेटिव फोरम का उद्घाटन करते हुए अपने भाषण में कहा, पिछले अक्टूबर से फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष बढ़ गया है, जिससे लोगों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। युद्ध अनिश्चितकाल तक जारी नहीं रहना चाहिए। इस दौरान शी जिनपिंग ने गाजा की मदद के लिए 500 मिलियन युआन यानी 69 मिलियन डॉलर देने का वादा किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी को 3 मिलियन डॉलर का दान देने का भी वादा किया जो इजराइल-हमास युद्ध के शरणार्थियों की सहायता करता है। वहीं चीन ने टू-स्टेट सॉल्यूशन के समर्थन को भी दोहराया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध में अब तक 36,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान गई है। अरब देशों के साथ-साथ चीन भी संघर्ष में फिलिस्तीन का समर्थन कर रहा है।

हिमाचल में जंगल की आग से चिंता में डूबा हाईकोर्ट

लिया स्वतः संज्ञान, अब तक 9500 हेक्टेयर भूमि जली

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में इस साल गर्मी की शुरुआत से लेकर अब तक जंगल में आग लगने की 1,033 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इस दौरान पिछले 44 दिनों में अब तक 9,500 हेक्टेयर से अधिक भूमि जल चुकी है। जिसके बाद हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने आग लगने की इन घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया है। इस बारे में वन विभाग ने उच्च न्यायालय को एक एक्शन टेकन रिपोर्ट सौंपी है। अब न्यायालय ने विभाग को जंगल में आग की रोकथाम करने के लिए और कोशिशें करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 25 जून के लिए तय की है। जंगलों में लगी आग के बारे में बात करते हुए राज्य के वन प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त प्रधान संरक्षक पीके राणा ने कहा, हिमाचल प्रदेश में इस साल अब तक आग लगने की 1033 घटनाएं सामने आई हैं। हम आग की अधिकांश घटनाओं पर काबू पा चुके हैं। हालांकि राज्य के लगभग 25 वन क्षेत्र अभी भी जंगल की आग की चपेट में हैं और संबंधित अधिकारी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। राणा ने आगे कहा, हिमाचल प्रदेश में आमतौर पर जंगलों में आग 15 अप्रैल से 30 जून तक लगती है, लेकिन मौसम और जलवायु में बदलाव के कारण हमने आग के मौसम से पहले ही आग बुझाने के उपाय कर लिए थे। जिसके चलते हम 8000 हेक्टेयर वन क्षेत्र में आग पर काबू पाने में सफल रहे हैं और आग के मौसम के लिए तैयार रहने के वास्ते हमने 1000 किलोमीटर के अन्य क्षेत्र में भी काम किया है। अधिकारी ने कहा, हम लोगों को वनों में लगी आग के बारे में जागरुक करने के लिए पहले ही 900 जनसभाएं कर चुके हैं। आगे राणाा ने बताया, अब तक 9,500 हेक्टेयर जंगल जल चुका है, हम लोगों की भागीदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे पास संयुक्त वन प्रबंधन समितियां और महिला मंडल हैं, जो हमारी मदद और हमारा समर्थन कर रही हैं।

मोदी ने 758 बार लिया खुद का नाम, 224 बार मुस्लिमों का जिक्र

मल्लिकार्जुन खरगे ने साधा निशाना, कहा-मंदिर के बारे में 421 बार बात की है

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को होने वाले लोकसभा इलेक्शन 2024 के सातवें और अंतिम चरण के मतदान के लिए गुरुवार को चुनाव प्रचार थम गया है। आखिरी दिन विरोधी पार्टियों ने एक दूसरे पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना नाम 758 बार लिया है, मंदिर के बारे में 421 बार बात की है और मुस्लिम, पाकिस्तान और अल्पसंख्यकों का 224 बार उल्लेख किया है, लेकिन पिछले पंद्रह दिनों में एक बार भी महंगाई और बेरोजगारी के बारे में नहीं बोला। खरगे ने गुरुवार को यह भी दावा किया कि 4 जून को लोग एक नई, वैकल्पिक सरकार के लिए फैसला देंगे और इंडिया गठबंधन बहुमत की सरकार बनाएगा।

उन्होंने कहा, अगर हम भाजपा के अभियान को देखें और प्रधानमंत्री के बारे में बात करें, तो पिछले 15 दिनों में उन्होंने 232 बार कांग्रेस का जिक्र किया। उन्होंने 758 बार खुद का नाम (मोदी) लिया और 573 बार उन्होंने इंडिया गठबंधन और विपक्षी दलों के बारे में बात की। लेकिन महंगाई और बेरोजगारी के बारे में एक बार भी नहीं बोले। यह दर्शाता है कि उन्होंने महत्वपूर्ण मुद्दों को एक तरफ रख दिया और अभियान में केवल अपने बारे में बात की। कांग्रेस अध्यक्ष ने गुरुवार को कहा, चुनाव आयोग ने कहा था कि जाति या सांप्रदायिक आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। लेकिन मोदी जी ने 421 मौकों पर मंदिर के बारे में बात की।

संक्षिप्त समाचार

छेड़खानी के मामले में दोषी को तीन साल की सजा

गया, एजेंसी। बेलागंज थाना से संबंधित छेड़खानी के एक मामले में बुधवार को पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश असिताभ कुमार की अदालत ने दोषी अभियुक्त अनुज कुमार को तीन साल की सजा सुनाई। साथ ही एक हजार रुपये का अर्थ दंड भी लगाया। अदालत ने इस मामले के सात अन्य अभियुक्त शिवकुमार यादव, अर्जुन यादव, तोरिक यादव, अजय यादव, धनंजय यादव, बंसी यादव व मीना देवी को एक-एक हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाकर छोड़ दिया। यह सभी दोषी अभियुक्त पीडिता के परिजन के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। यह घटना 23 अगस्त 2018 की है। उस दिन पीडिता स्थानीय एक स्कूल में जानवर की रस्सी लाने गई थी। इसी दौरान अभियुक्त अनुज कुमार ने पीड़िता के साथ छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया था तथा बुरी नियत से उसे टूटे मकान में ले जा रहा था। पीड़िता द्वारा हल्ला किए जाने पर अभियुक्त उसे छोड़कर भाग गया था। जब इसकी शिकायत पीड़िता के परिजन द्वारा करने पर अभियुक्तों ने पीडिता के घर जाकर उसके परिवार के साथ मारपीट की थी। अभियोजन पक्ष की ओर से इस मामले में पीड़िता व उसके परिजन तथा अनुसंधान कर्ता सहित चार गवाहों का परीक्षण कराया गया था।

महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

दरभंगा, एजेंसी। विश्व महावारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर मंगलवार को राढ़ी दक्षिणी के डब्ल्यूपीयू परिसर में पंचायत की महिलाओं एवं लड़कियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें खासकर आंगनबाड़ी कर्मी, आशा व जीविका दीदियों ने महिलाओं के बीच माहवारी के दौरान होने वाली समस्याओं पर चर्चा की। मौके पर पूर्व मुखिया पिंकी देवी ने महिलाओं से कहा कि माहवारी के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से हमेशा सिनेटरी पैड का ही इस्तेमाल करना चाहिए, न कि पुराने कपड़ों का। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लोहिया स्वच्छता अभियान के पर्यवेक्षक अमरेंद्र कुमार झा एवं जीविका के कोआर्डिनेटर सरिता झा ने माहवारी के दौरान महिलाएं कैसे सावधान रहें इस पर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने खानपान से संबंधित विषयों पर अपने अनुभवों को महिलाओं के बिच विस्तार से साझा किया। उधर, किलकारी बिहार बाल भवन दरभंगा की ओर से बच्चों के साथ संवाद सत्र व विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महिला व बाल विशेष कोषांग से रंजू कुमारी तथा समाजिक कार्यकर्ता कनु प्रिया थीं। इसमें मासिक धर्म के दौरान महिलाओं एवं बच्चियों को बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गयी। बच्चों ने पोस्टर निर्माण, चित्रकला व नाटक के माध्यम से समग्र जानकारी प्रस्तुत की। मौके सहायक लेखा पदाधिकारी शशि रंजन व अन्य उपस्थित थे।

नवविवाहिता की मौत के मामले में दहेज हत्या का केस

दरभंगा, एजेंसी। एपीएम थाने के बलहा गांव में सोमवार की रात गैस एजेंसी संचालक अविनाश महथा की नवविवाहिता पत्नी पूजा कुमारी की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत के मामले में मृतका के पिता ने मंगलवार को एपीएम थाने में दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज करवायी है। थानाध्यक्ष हरिद्वार शर्मा ने यह जानकारी देते हुए कहा कि मृतका के पिता दिनेश प्रसाद ने पति, सास, ससुर एवं ननद के विरुद्ध दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी है। इस पर कार्रवाई हो रही है। हालांकि आवेदन में मृतका के पिता ने क्या आरोप लगाया है, इस बाबत उन्होंने जानकरी देने से इनकार किया। खबर लिखे जाने तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। पोस्टमॉर्टम के बाद लाश को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। इधर, ग्रामीणों के अनुसार ब्लॉक रोड रक्सौल, मोतिहारी निवासी दिनेश प्रसाद महासेठ की पुत्री पूजा की शादी महीनेभर पहले 26 अप्रैल को अविनाश से हुई थी। 29 मई को धूमधाम से रिसेप्शन भी हुआ था। अभी दुल्हन के हाथों की मेंहदी भी नहीं छूटी थी कि उसकी अर्थी निकल गई। पूजा की मौत से बलहा के ग्रामीण भी मर्माहत हैं। खासकर महिलाएं दुखी हैं। गांव में घटना के संबंध में लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उधर, देर रात तक बलहा के दो दर्जन से अधिक ग्रामीण अविनाश को निर्दोष बता पुलिस से गुहार लगा रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि पूजा ने खुद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली है।

युवक की गोली मारकर हत्या, मोबाइल और देसी शराब बरामद

लखीसराय के हलसी थाना की घटना, पुलिस मामले की जांच में जुटी

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय के हलसी थाना क्षेत्र में गोली मार कर युवक की हत्या कर दी गई। घटना ककरौरी बहियार स्थित बांसबाड़ी की बताई जा रही है। मृतक की पहचान देवेंद्र दाढ़ी के बेटे विपिन दाढ़ी के रूप में हुई है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार की देर शाम मृतक को अपराधियों ने तीन गोली मारी। गोली की आवाज सुनने के बाद सभी लोग गांव के दक्षिणी हिस्से में पहुंचे। वहां पहुंचकर घटना की जानकारी हलसी थाना को दी गई। दल बल के साथ हलसी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं पुलिस हत्या को लेकर फिलहाल कुछ भी बताने से परहेज कर रहे है। जबकि परिजनों ने मुन्ना दाढ़ी सहित अन्य के ऊपर हत्या करने का आरोप लगाया है। मुन्ना के साथ बिपिन की लड़ाई होने की भी बात सामने आ रही है। इसके अलावा घटना स्थल से पुलिस को एक मोबाइल और देसी शराब मिला है।

योगी आदित्यनाथ किम जोंग जैसे, भाजपा बाइडेन और पुतिन को भी बुला ले: तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी पर बड़ा जुबानी हमला किया है। उन्होंने सीएम योगी की तुलना नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से की है। लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण के लिए बिहार में प्रचार का धुआंधार का दौर जारी है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी की कई सभाएं पिछले दिनों बिहार में हुईं। मंगलवार को भी उन्होंने बिहार में चुनावी सभा को संबोधित किया और कहा कि दिल्ली में राम भक्त राज करेंगे ना कि तालिबानी सरकार चलाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने लालू यादव को मोहम्मद लालू प्रसाद कह दिया। इसे लेकर तेजस्वी ने जुबानी हमला किया है। कहा कि बीजेपी चाहे तो रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन या अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी बिहार बुला लें। तेजस्वी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयानों पर भी अपनी बात रखी। तेजस्वी यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी योगी जी को बुला ले या किसी और को कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्हें चाहिए कि नॉर्थ कोरिया से किम जोंग उन को बुला ले और योगी जी उनके साथ हो जाएं। दोनों एक जैसे ही हैं। मंगलवार को सीएम योगी ने फतुहा, आरा और पटना में चुनावी रैलियां को संबोधित किया। तेजस्वी यादव ने सीएम योगी के बार बार बिहार दौरे पर यह बात कही। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के प्रचार में लगभग 90 दिनों में उन्होंने 200 से ज्यादा चुनावी सभा करके राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बीजेपी को बिहार में अपनी पूरी ताकत झोंक देने के लिए मजबूर कर दिया। कहा कि हमने अकेले अपना मोर्चा थामा तो उन लोगों को 15-15 बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बिहार में उतारना पड़ा। अब बीजेपी के लिए इतना ही बचा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन को भी बुला ले। लेकिन इसका कोई लाभ उन लोगों को नहीं मिलेगा। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि हार के डर से पीएम मोदी नर्वस हो गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार की एक चुनावी सभा में कहा था कि जिन लोगों ने नौकरी देने के लिए जमीन ली है वे चुनाव के बाद जेल जाएंगे। उनका काउंटडाउन शुरू हो गया है। इस बात को तेजस्वी यादव ने मुद्दा बना लिया है और चुनावी सभाओं में इसका जिक्र करते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने की हवन

गया, एजेंसी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने हवन किया। गया जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव भाई ओंकार के नेतृत्व में उनके दीर्घायु जीवन व स्वस्थ जीवन के लिए पूजा पाठ व हवन किया गया। इस अवसर पर भाई ओंकार ने कहा कि डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह एक जन नेता हैं उनके जैसा व्यक्तित्व उनके बताए विचारों पर चलकर हम सब बिहार को बेहतर करने का प्रयास करें। इस अवसर पर गुंजन सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रेम गुप्ता, रोहित सिंह, विक्की शर्मा, शिवम शर्मा सहित दर्जनों युवा उपस्थित रहे।

शाही लीची पर मौसम की मार, सीजन बीत रहा पर खट्टापन नहीं गया; शोध में जुटे वैज्ञानिक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर की शाही लीची संसार भर में मशहूर है। लेकिन, शाही लीची की सीजन समाप्त होने को है, परफल में खट्टापन पूरी तरह दूर नहीं हो सका है। इस बार लीची का वजन भी नहीं बढ़ा और बीज बड़ा हो गया। किसानों के मुताबिक लीची में पहले जैसी सुगंध भी नहीं मिल रही है। तुड़ाई के बाद दूसरे दिन ही इसकी लाली मद्धिम पड़ने लग रही है। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, एनएलआरसी के वैज्ञानिक इसे शोध का विषय बता रहे हैं। किसानों को इस बार शाही लीची से निराशा हाथ लगी है। वे समझ नहीं पा रहे हैं आखिर क्या करें। लीची वैज्ञानिकों के अनुसार 2014 में तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। इसके बावजूद लीची के वजन और मिठास पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। इस बार 41 डिग्री सेल्सियस तापमान पर ही फल झुलस रहे हैं। किसान करीब 60 फीसदी शाही लीची के नुकसान बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि दो जून से चाइना लीची का सीजन शुरू हो रहा है। अब उसी पर आस है।

लीची वैज्ञानिक बता रहे यह शोध का विषय राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र मुशहरी के निदेशक डॉ. विकास दास ने बताया कि शाही लीची को हो रहे नुकसान का कारण शोध का विषय है। जलवायु परिवर्तन का असर तो है ही, साथ ही लीची के बागों में मिट्टी की जांच भी अनिवार्य हो गई है। बताया कि जमीन में जरूरी पोषक तत्व की कमी के कारण साल दर साल लीची की फ्लावरिंग और फल के विकास दोनों पर असर पड़ सकता है। बोचहां के बखरी के लीची किसान सुधीर कुमार पांडेय की मानें तो उन्होंने बाग में ससमय उचित प्रबंधन किया और तालाबों से मिट्टी लाकर पेड़ के नीचे डाला, जिसके कारण शाही लीची का कम नुकसान हुआ है। इससे मिट्टी में दोष के कारण शाही लीची के नुकसान की संभावना बढ़ जा रही है।

70 रुपए किलो मिल रहा दाम, 30 रुपए का नुकसान

मीनापुर के लीची व्यापारी सुबोध कुमार कुशवाहा ने बताया कि शाही लीची महानगरों में पहुंचने में देरी होने से रंग मद्धिम पड़ जा रहा है। इससे म कम मिल रहा है। कांटी के भोला त्रिपाठी ने बताया कि सौ रुपए किलो से कम कीमत मिलने पर काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। दो जून से चाइना का सीजन शुरू हो रहा है। अब उसी पर उम्मीद टिकी है।

कपड़ा व्यवसायी से 5:50 लाख रुपये लूटकांड के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

भागलपुर/कहलगांव, एजेंसी। घोघा थाना क्षेत्र के बिषहरी स्थान के पास से 26 मई को कपड़ा व्यवसायी से 5:50 लाख रुपये लूटकांड का पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। कहलगांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिवानंद सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गिरफ्तारी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 26 मई को घोघा बिषहरी स्थान के समीप चार बदमाशों ने भागलपुर के कपड़ा व्यवसायी श्यामसुन्दर सरावगी से 5:50 लाख रुपये लूट लिया था। वे कपड़ा दुकान से पैसे की वसूली कर टोटो से स्टेशन जा रहे थे। रास्ते में बिषहरी स्थान के पास रुपये भरा बैग छीन लिया था। इसमें टोटो चालक भी शामिल था। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूट की 63000 रुपये नकदी, लूट के पैसे से खरीदा नया मोटरसाइकिल, नया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त टोटो को जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपितों में घोघा थाना क्षेत्र के पन्नूचक गांव के कीरो मंडल का पुत्र पिंटू मंडल उर्फ पिन्टा, और घोघा और शाहपुर गांव के दो विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार किया गया। पिंटू मंडल का पूर्व में भी सबौर थाना में अपराधिक इतिहास रहा है और जेल जा चुका है। वहीं घटना में शामिल चौथे अपराधी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस मामले को लेकर घोघा थाना में श्यामसुन्दर सरावगी ने केस दर्ज कराया था। खुलासा के लिए पुलिस अधीक्षक भागलपुर ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। टीम में घोघा थानाध्यक्ष अजीत कुमार, सन्होला थानाध्यक्ष चंदन कुमार, रसलपुर थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार, घोघा थाना के एसआई शशि भूषण कुमार, रंजीत कुमार आदि शामिल थे।

विधानसभा वार बनाया गया डिस्पैच सेंटर:एक ही स्थान पर मिलेगा मतदान कर्मियों को ईवीएम और अन्य सामग्री

2365 मतदान केंद्रों पर होगी वोटिंग

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में सातवें चरण यानी 1 जून लोकसभा का चुनाव होना है। आज चुनावी प्रचार का शोर थम जाएगा। इसके साथ ही चुनाव कर्मियों को मतदान सामग्री देकर बूथों तक भेजने की तैयारी अंतिम चरण में है। निर्वाचन कर्मियों को पत्र भेजा गया है। 30 मई को इन्हें ज्वाइन करना है।

31 मई को मतदान कर्मियों को ईवीएम और अन्य सामग्री देकर बूथों के लिए रवाना किया जाएगा। पहली बार ईवीएम सहित सभी सामग्री एक ही स्थान पर दी जाएगी। इसके लिए विधानसभा वार डिस्पैच सेंटर बनाया गया है। संसदीय क्षेत्र के साथ विधान सभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग डिस्पैच सेंटर बनाया गया है।

नालंदा संसदीय क्षेत्र में 2365 मतदान केंद्रों पर वोटिंग होनी है

बिहार शरीफ, अस्थावां और हरनौत विधानसभा के लिए डिस्पैच सेंटर बिहार शरीफ में होगा। जबकि हिलसा और इस्लामपुर विधानसभा का डिस्पैच सेंटर हिलसा में, राजगीर विधानसभा क्षेत्र का डिस्पैच सेंटर राजगीर में और नालंदा विधानसभा का डिस्पैच सेंटर नालंदा में बनाया गया है।

नालंदा संसदीय क्षेत्र में 2365 मतदान केंद्रों पर वोटिंग होनी है। इसके लिए सुबह 7:00 से लेकर शाम 6:00 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। मॉक पोल की अवधि चुनाव के पूर्व निर्धारित है। इस बार 22 लाख 88,240 मतदाता मतदान में हिस्सा लेंगे।

हथियारबंद जवान बाइक से पेट्रोलिंग करेंगे

अतरी विधानसभा क्षेत्र का आईजी ने लिया जायजा: बूथों पर बिजली-पानी की व्यवस्था का निर्देश

गया, एजेंसी। गया मगध रेंज के आईजी छत्रनील सिंह ने जहानाबाद लोकसभा के तहत पड़ने वाले गया जिले की अतरी विधानसभा का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने मतदान की तैयारी से जुड़ी तमाम चीजों की जानकारी एसएसपी आशीष भारती से ली। आईजी को बताया गया कि अतरी विधानसभा में 338 बूथों पर मतदान होने हैं। 317710 मतदान एक जून को मतदान करेंगे। 31 मई की शाम तक सभी पोलिंग पार्टी के साथ पुलिस बल अपने अपने बूथों पर होंगे।

भीषण गर्मी पर भी चर्चा हुई

आईजी को एसएसपी ने बताया कि सामान्य बूथों पर जिला पुलिस बल और होमगार्ड के जवान की तैनाती की गई है। संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर जिला पुलिस और अर्धसैनिक बल को तैनात किया गया है। इस मौके पर भीषण गर्मी पर भी चर्चा हुई।

आईजी ने कहा कि हर हाल में लू से बचने के लिए जारी एसओपी का पालन अफसर और जवान जरूर करें। साथ ही बिजली-पानी की व्यवस्था बूथों पर कैसी है। इस बात की पुष्टि भी अपनी ओर से सुनिश्चित करें। आईजी को बताया गया कि मतदान के दिन हथियारबंद जवान बाइक से पेट्रोलिंग करेंगे। वे किसी भी प्रकार की सूचना पर 10 मिनट के भीतर किसी भी बूथ पर पहुंच स्थिति को काबू में करेंगे।

तैयारियों की समीक्षा की

आईजी ने अतरी थाना परिसर में वरीय पुलिस अधीक्षक, गया के संयुक्त अध्यक्षता में एक बैठक भी की। मौके पर आईजी ने तैयारियों की समीक्षा की। एसएसपी आशीष भारती ने दावा किया कि जहानाबाद लोकसभा अंतर्गत पड़ने वाले गया जिला के अतरी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले चुनाव को भयमुक्त, निष्पक्ष और शांतिपूर्वक संपन्न कराने को प्रतिबद्ध है।

राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की 75 हाजिरी अनिवार्य

पटना, एजेंसी। राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों (मेडिकल कॉलेज) में चिकित्सक शिक्षकों, सीनियर रेजिडेंट और ट्यूटर को 75 प्रतिशत बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया गया है। अब बायोमेट्रिक हाजिरी के आधार पर ही उनको वेतन का भुगतान होगा। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव शशांक शेखर सिन्हा ने सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य और अधीक्षक को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) की ओर से चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरीक्षण एवं मूल्यांकन विभिन्न स्तरों पर किया जा रहा है। इसमें एनएमसी की ओर से चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों में चिकित्सकों की एईबीएएस प्रणाली के तहत बायोमेट्रिक उपस्थिति शत-प्रतिशत दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। एमएसआर-2023 के नियमानुसार सभी फैकल्टी, सीनियर रेजिडेंट व ट्यूटर चिकित्सकों की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। समीक्षा में स्थिति मिली थी असंतोषजनक स्वास्थ्य विभाग ने समीक्षा में पाया है कि चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों के चिकित्सकों की ओर से एईबीएएस प्रणाली में दर्ज बायोमेट्रिक उपस्थिति एनएमसी की वेबसाइट पर बहुत ही असंतोषजनक है। कुछ चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों को एनएमसी की ओर से इस मामले में कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जा चुका है, इसलिए चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों में लगे बायोमेट्रिक उपकरण के माध्यम से उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें। साथ ही महीने के अंत में अपने संस्थान के एनएमसी बायोमेट्रिक उपकरण पर दर्ज उपस्थिति की विवरणी के आधार पर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों के चिकित्सक शिक्षकों, सीनियर रेजिडेंट और ट्यूटर का वेतन भुगतान करने का निर्देश दिया है।

प्राचार्य और अधीक्षक की होगी पूरी जवाबदेही

इसके साथ चेताया गया है कि भविष्य में एनएमसी की ओर से निरीक्षण में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं होने और असंतोषजनक की स्थिति में पूरी जवाबदेही प्राचार्य और अधीक्षक की होगी। गौरतलब है कि एनएमसी की ओर से एईबीएएस प्रणाली के तहत बायोमेट्रिक उपकरण मेडिकल कॉलेजों में लगाए गए हैं।

नैक पीयर्स की टीम ने सेकेंड साईकिल की ग्रेडिंग के लिए एलएनडी कॉलेज का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय में सेकेंड साईकिल की ग्रेडिंग के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद/पीयर्स टीम गुरुवार को महाविद्यालय में प्रवेश करते ही प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने नैक पीयर्स टीम के सभी सदस्यों, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो.अभय कुमार सिंह व उच्च शिक्षा सलाहकार डॉ.एन. के.अग्रवाल का पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया। एनसीसी सीटीओ डॉ.प्रभाकर कुमार के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स द्वारा नैक पीयर्स टीम को गॉड ऑफ़ ऑनर दिया गया। नैक पीयर्स टीम के तीनों सदस्यो, अतिथियों व प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय संस्थापक स्व. लक्ष्मी नारायण दूबे व संस्थापक प्राचार्य स्व. गोकर्ण प्रसाद शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। नैक पीयर्स टीम के समक्ष प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.पिनाकी लाहा, एनएसएस पीओ प्रो. अरविंद कुमार सहित सभी शिक्षकों ने संबंधित विभागों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण दिया। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने अपने प्रस्तुतीकरण में अल्प संसाधनों में महाविद्यालय की चहुंमुखी विकास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पूर्ववतियों के खुन-पसीने से सिंचित होकर 1966 में स्थापित यह महाविद्यालय शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से 58 वर्षों में कई बाधाओं को झेलते हुए यहां तक की यात्रा पूरी की है। नैक पीयर्स टीम ने संयुक्त रूप से एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, प्राचार्य कक्ष, शिक्षक कक्ष, कार्यालय कक्ष, जेन्स ट्वायलेट, गर्ल्स ट्वायलेट, कॉमन रूम, सभी वर्ग कक्ष, परीक्षा विभाग, सभी प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, लैंग्वेज लैब, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, बीबीए, बीसीए, बीएड बिल्डिंग, सभागार, जिम, क्रीड़ा मैदान इत्यादि का सूक्ष्मता पूर्वक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां वोकेशनल बिल्डिंग में चल रही बीबीए व बीसीए कक्षाओं का भी मुआयना किया तथा लैब से बच्चों के अधिकतम जुड़ाव का सुझाव दिया। नैक पीयर्स टीम ने यहां पदस्थापित सभी नियमित शिक्षकों, अंशकालीन अतिथि शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों, पूर्ववर्ती रत्नों, विद्यार्थियों व अभिभावकों सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ इंटरऐक्शन मीटिंग कर समस्याओं से अवगत होते हुए सुझाव दिया। नैक पीयर्स टीम के अध्यक्ष ने वित्तीय कमियों की ओर ध्यान न देते हुए शिक्षकों को शोधात्मक कार्यों की ओर उन्मुख होने का मंत्र दिया। उन्होंने यहां प्राचार्य प्रो.राजेश कुमार सिन्हा कुमार के साथ भौतिकी, रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, मनोविज्ञान एवं भूगोल की कार्यशील प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने पुस्तकालय की भंडार पंजी एवं वितरण पंजी का भी अवलोकन करते हुए इससे अधिकतम विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का सुझाव दिया। उन्होंने खेल के मैदान को और अधिक क्रियाशील बनाने,ज़परिसर को स्वच्छ करने व दूसरे शैक्षणिक संस्थाओं से एमओयू करने हेतु निर्देशित किया। शिक्षकों की ओर से डॉ.सुबोध कुमार व डॉ. सर्वेश दूबे, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की ओर से प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, अखिलेश कुमार व अमित कुमार तथा विद्यार्थियों की ओर से खुशी, दिलीप, सुरूचि आदि ने पीयर्स टीम के साथ इंटरऐक्शन किया। संवाद प्रेषित करते हुए राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने बताया कि यूजीसी की गाइडलाइन के मुताबिक सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए नैक से मान्यता प्राप्त करना जरूरी है। नैक पीयर्स टीम के लिए संवाद प्रेषण तक सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम जारी था। 31 मई को भी नैक पीयर्स टीम का विजिट महाविद्यालय में जारी रहेगा।

नियमित दवा का सेवन कर संतोष ने "एमडीआर टीबी" से पाया छूटकारा

- टीबी चैंपियन बन जन समुदाय को कर रहें है जागरूक
- टीबी पर राज्य स्तरीय कार्यशाला मे भाग लेकर हों चुके है सम्मानित
- आत्म विश्वास के साथ पूरा किया 18 महीने तक दवाओं का कोर्स

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चिरैया प्रखंड के हरबोलवा कपूर पकड़ी पंचायत निवासी 24 वर्षीय संतोष अपने गांव में रहकर मेहनत के साथ सामान्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहें थे। इसी बीच उसे अचानक बुखार लगा, तब उसने स्थानीय दवाखाने से दवा ली परन्तु आराम नहीं हुआ। उसके बाद इलाज के लिए निजी चिकित्सक के पास पहुंचे। परन्तु स्वास्थ्य ठीक नहीं हुआ। उसके बाद बलगम वाली खांसी भी आने लगी। शरीर में काफी कमजोरी, वजन कमना और चेहरे का रंग भी बदलने लगा। स्थिति धीरे-धीरे खराब होती गयी। परिवार के सदस्यों ने उपचार के लिए मुजफ्फरपुर ले गए। पर वहां भी बीमारी का पता नहीं चला। यहां भी पहले जैसी दवा चिकित्सक ने दे दी। और बोला कोई बीमारी नहीं है। बावजूद मेरी तबीयत ठीक नहीं हो रही थी। तभी मन में आया कि क्यों न सरकारी अस्पताल में एक बार दिखा लूं। तब संतोष जिला टीबी अस्पताल में आकर यक्ष्मा केंद्र के अरविन्द कुमार से मिला। तो उन्होंने पुर्जी कटवा कर सीबी नेट जांच करायी। तब रिपोर्ट में अगले दिन "एमडीआर टीबी" का पता चला। उसके बाद हमें टीबी की पूरी दवा उपलब्ध करायी एवं समझाया की मन में आत्मविश्वास के साथ दवाओं का सेवन करो स्वस्थ हो जाओगे। मैंने उनकी बातों को मानकर नियमित 18 महीने तक दवा खायी। अब मैं पूरी तरह स्वस्थ हो गया। संतोष ने बताया कि जब हमें टीबी बीमारी के बारे में डॉक्टरों ने पुष्टि कर दी तो परिवार और पड़ोस के लोग मुझसे दूरी बनाने लग गए। परन्तु मैंने आत्मविश्वास के बल पर लगातार दवाओं का सेवन और साथ में पौष्टिक भोजन का सेवन किया। 3 महीने दवाओं के सेवन के बाद मुझे आराम मिलने लगा। मैं लगातार चिकित्सक के सम्पर्क में रहा। अब उनके शरीर का वजन 52 किलो है, आज संतोष पूरी तरह से स्वस्थ होकर अपना दैनिक कार्य पूरा करने के साथ ही सामान्य प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करते है साथ ही जीविकोपार्जन हेतु प्राइवेट स्कुल में पढ़ाते एवं ट्यूशन कराते है। कहा कि कि स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ही हमें नया जीवन मिला है। मैं अब टीबी चैंपियन बनकर अभी तक 50 से ज्यादा लोगों की लक्षण देख टीबी अस्पताल में लाकर जांच कराया हूं। जिनमें 10 मरीजों का इलाज यहां से चल रहा है आज वे सभी स्वस्थ है। अरविन्द जी के द्वारा जानकारी देने पर मैंने पटना जाकर राज्य द्वारा टीबी पर आयोजित वर्कशॉप मे भाग लिया जहाँ मुझे सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया है। संतोष गाँव, समुदाय, स्कुल मे बच्चों को भी टीबी के प्रति जागरूक करते हुए कहते है की टीबी से डरने की नहीं बल्कि लड़ने की जरूरत है। सामुदायिक भागीदारी से ही वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने का सपना साकार हो सकता है।

जिला यक्ष्मा केंद्र के साथ ही सभी पीएचसी में जांच व उपचार उपलब्धः- जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. संजीव ने बताया कि जिले के सभी पीएचसी में टीबी की निःशुल्क जाँच और ईलाज की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि टीबी के लक्षण होने पर बलगम की जांच कराएं। एक्स-रे कराएं। चिकित्सक द्वारा पुष्टि करने पर सावधानी बरतें। घरों में साफ-सफाई रखें। बीमार व्यक्ति मुंह पर रुमाल लगाकर चले। बीच में दवा न छोड़ें। इलाज के दौरान खूब पौष्टिक खाना खाएं। एक्सरसाइज करें, योग करें।

केविवि के छात्र मोहम्मद जाबिर का पीएचडी की मौखिकी सम्पन्न

बीएनएम। मोतिहारी

राजनीति विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र मोहम्मद जाबिर की आज पी एच डी की मौखिकी सम्पन्न हुई। मोहम्मद जबीर के शोध कार्य का शीर्षक "ट्राइबल अपलिफ्टमेंटः एन एनालिटिक स्टडी ऑफ़ गवर्नमेंट पॉलिसी एंड प्रोग्राम एंड देयर इंपैक्ट ऑन ट्राईबल डेवलपमेंट इन जम्मू एंड कश्मीर फ्रॉम 1990 - 2020" है। उन्होंने महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग अध्यक्ष, डॉ सरिता तिवारी के निर्देशन में अपना शोध कार्य किया है । इस शोध के अंतर्गत मोहम्मद जाबिर ने प्राथमिक डाटा संकलन द्वारा जम्मू कश्मीर के पूंछ एवं रजौरी जिले के गुज्जर एवं बकरवाल जनजातियों का अध्यन किया है। इस अध्यन में विभिन्न सरकारी नीतियों एवं योजनाओं जैसे विंग्स टू फ्लाई, प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना, प्रवजन के दौरान यातायात सुविधाएं, प्रधान मंत्री आवास योजना आदि का इन जनजातियों पर प्रभाव का गहन आंकलन किया गया है। इस अध्ययन काल में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद के सकारात्मक परिणामों का प्रमाण भी प्राप्त हुआ। इस शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य जम्मू काश्मीर के जनजातीय समुदायों के सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन था । इस शोध के अंतर्गत जम्मू कश्मीर के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं का सूक्ष्म स्तर पर विश्लेषण किया गया है। समानता, जीवन स्तर में सुधार, आर्थिक उत्थान के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का अध्ययन मोहम्मद जबीर द्वारा किया गया। इन योजनाओं की सफलता किस स्तर तक जनजातीय समुदायों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई है, इसकी एक समग्र रिर्पोट का प्रस्तुतिकरण मोहम्मद जाबिर के द्वारा किया गया।

वाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर राजेश कुमार शर्मा (राजनीतिक विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं निदेशक, सेंटर फॉर गांधियन स्टडीज) की उपस्थिति रही। संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान विभाग, (महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय) प्रो सुनील महावर, राजनीति विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ सरिता तिवारी, गांधी भवन के निदेशक प्रो प्रसून दत्त सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ नरेंद्र आर्य, डॉ नरेंद्र सिंह, डॉ पंकज कुमार सिंह, डॉ ओम प्रकाश गुप्ता, डॉ प्रेरणा भादुली एवं विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के अध्यक्ष डॉ श्याम कुमार झा, डॉ विमलेश कुमार सिंह, डॉ अंजनी कुमार,डॉ शिरिष मिश्रा, डॉ सुनील कुमार श्रीवास्तव, डॉ एस के त्रिपाठी, डॉ पवनेश कुमार, डॉ कैलाश चंद्र प्रधान, डॉ असलम खान, डॉ रामलाल बगरिया, डॉ अनुपम वर्मा की उपस्थित रही।

पोस्टल बैलेट काउंटिंग की दी गई प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

लोकसभा चुनाव के अवसर पर मतगणना कार्य को पूरी पारदर्शिता के साथ स्वच्छ एवं बेहतर रूप से संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सौरव जोरवाल के निर्देश के आलोक में अपर समाहर्ता, पूर्वी चंपारण मुकेश कुमार सिन्हा एवं प्रभारी पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग राजेश्वरी पांडे की अध्यक्षता में पोस्टल बैलट की मतगणना के लिए सभी प्रतिनियुक्ति कर्मियों एवं पदाधिकारियो को समाहरणालय स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना की सभी प्रक्रियाओं एवं प्रपत्रों को भरने के विषय में सभी तरह की जानकारी दी गई।

नौकरी ! बिहार के लिए सुनहरा अवसर नौकरी !!
PS BAJAJ FINANCE WHOLESALE MARKET
प्रियांशु बाजाज
Managing Director
फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड
बिहार में कुल रिक्त 640 सीट (लडके तथा लड़कियों के लिए)

S.No.	Position	Qualification	No. of Possession	Pay Scale
1.	Branch Manager	Graduation	40	30,000 – 35,000
2.	Finance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
3.	Insurance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
4.	Branch Accountant	I.Com / B.Com with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
5.	Filed Officer	10th / 10th +2	160	15,000 – 20,000
6.	Store Keeper	10th	80	15,000
7.	Delivery Boy	10th	160	10,000 + Commission
8.	Supervisor	Graduation with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
9.	Security Guard	Retired Home Guard Officer	40	10,000
10.	Distributer	Minimum 8th Passed	We will Provide loan of Rs. 5Lakh - 10 Lakh rupees.	10,00000
11.	Peon	Minimum 8th Passed	40	10,000 – 15,000

नोट - ऑनलाइन फॉर्म फइल करने के लिए https://psbajajholselemarket.in/career पर जाए । अधिक जानकारी के लिए हमारे हेल्पलाइन नं० – Whatsapp - +91 8755711350 पर संपर्क करे।
Mobile No - +91 7324818096
*नियम एवं शर्ते लागु

PS BAJAJ FINANCE WHOLE SALE Market QUALITY MATTERS

प्रियांशु बाजाज

नौकरी नौकरी

फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड

Contact No.- 8755711350, 7324818096

https://psbajajholselemarket.in/career

सड़कों पर उड़ रही है यातायात नियमों की धज्जियां

- सड़क दुर्घटनाओं में उजड़ रहे हैं परिवार
- यातायात व स्थानीय पुलिस प्रशासन बना मूकदर्शक

सुगौली। छपवा-सुगौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारपहिया वाहन तथा बाइक सवार रहे यातायात नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। परिणाम स्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है।आये दिन सड़क दुर्घटनाओं में कोई गंभीर रूप से घायल हो रहा तो कोई अपनी जान से हाथ धो दे रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने सड़क लेन का कोई मतलब नहीं रह गया है। बिहार के लिए कभी कहा जाता था कि गड्ढों में सड़क है लेकिन वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर अधिकतर गांवों की सड़कें भी चका हो चुकी हैं। गड्ढों में बाइक और चारपहिया चलाने वाले अब नयी बनी सड़कों पर अपनी रफ़्तार से कहर बरपा रहे हैं। सड़कों पर अवयस्क बाइक सवार भी बाइक चला रहे हैं। जो व्यस्क चालक हैं उनमें अधिकांश के पास न तो हेलमेट है और ना ही चालक का लाईसेंस। चारपहिया, टेंपो, छोटे यात्री वाहन चालकों की भी स्थिति बुरी है। पैसे की दौड़ में आगे निकलने के लिए वाहनों की रफ्तार की निर्धारित सीमा को भूला दिया जाता है, तो वहीं चालक लायसेंस तथा चालक बनने के लिए निर्धारित उम्र सीमा की अर्हताओं को ताक पर रख दिया गया है। छोटे आयु वर्ग के बच्चे भी टेंपो, ट्रैक्टर, ई-रिक्शा, छोटे यात्री वाहनों का परिचालन बेखौफ होकर कर रहे हैं। परिणाम स्वरूप आये दिन सड़कों पर दुर्घटनाएं हो रही हैं जिसमें कुछ घायल तो कुछ सदा के लिए दुनिया को अलविदा कह दे रहे हैं।आये दिन सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाएं सामाजिक पारिवारिक त्रासदी से कम नहीं हैं। इधर यातायात नियमों का पालन कराने के लिए बनी यातायात पुलिस कुंभकर्णी नींद तो सोयी ही है साथ में स्थानीय पुलिस प्रशासन भी लॉ एंड ऑर्डर, शराबबंदी, जमीनी विवाद आदि कामों के दबाव में शिथिल है। सवाल उठता है कि पुलिस प्रशासन की जो भी मजबूरी रही हो लेकिन गलत तरीके से वाहन चला कर रफ्तार के कहर के आगोश में हमेशा के लिए समा जाने वाले निर्दोष लोगों की क्या ग़लती है? सड़क पर चलने वाले यात्रियों व यातायात का नियम पालन करने वाले वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर कब कहां से कौन सा वाहन आकर टक्कर मार दे ये संशय सड़कों पर चलने के दौरान हमेशा बना ही रहता है।

मुख्य बाजार चौक पर ठेला के जाम से राहगीरों में आकोश

मझौलिया। मुख्य बाजार चौक स्थित स्ट्रीक लाईट समीप सड़क के बीचोंबीच ठेला लगाकर खीरा समेत अन्य सामान बेचने तथा सब्जी दुकानदारों द्वारा सड़क के दोनों बगल से सड़क अवरुद्ध को लेकर राहगीरों में आकोश है। बताया जाता है की ठेला के कारण प्रत्येक दिन इस चौक पर सवारियों का जाम लगना आम बात हो गई है।वही इस मार्ग से रोज अधिकारियों का आना जाना होता है परंतु इस ठेला के जाम से कोई निजात नहीं दिला पाता।बताते है कि गुरुवार को जौकटिया से मझौलिया अस्पताल अपने मरीज को दिखाने आ रहे शहीद अंसारी का बोलोरो चौक पर ठेला के जाम में फंस गया।उन्होंनें ठेला हटाने को कहा तो झड़प हो गई। राहगीरों ने बताया कि इन ठेलावालों के दबंगई के चलते चार पहिया गाडियों का इस चौक से गुजरना मुश्किल हो गया है।इस संदर्भ में सीओ राजीव रंजन ने बताया कि काउटिंग के बाद मझौलिया चौक पर सड़क अतिक्रमण को मुक्त कराकर अतिक्रमण कारियों पर कार्रवाई की जायेगी।

पुलिस अभिरक्षा में शिव नाथ बैठा का हुआ दाह संस्कार

मारपीट व हत्या के मामले में बारह लोगों पर प्राथमिकी

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के अहिरगावा गांव में मारपीट में मृत शिवनाथ बैठा की शव की दाह संस्कार को लेकर घंटों तक गांव में तनाव उतपन्न हो गया। पोस्टमोर्टम से शव आने के बाद कुछ असामाजिक तत्वों ने मृतक के परिजनों को सुझाव दे दिया कि शव हत्यारोपी रामसूरत राम के दरवाजे पर रख दिया जाय उसी दरवाजे पर शव का दाह संस्कार किया जाएगा। त्वरित कार्रवाई और मुआवजा ऐसा करने से मिलेगा। सभी गाँव वाले शव ले जाने की तैयारी करने लगे, इसको लेकर तनाव उत्पन्न हो गया। इसकी सूचना मिलते हीं थानाध्यक्ष नवीन कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच ग्रामीणों से बात किए और समझा बुझा कर शव को गाँव के ही श्मशान में दाह संस्कार कर दिया है। बताते चले कि मृतक शिवनाथ बैठा एवम रामसूरत राम के बीच बांस काटने को लेकर हुई मारपीट में शिवनाथ बैठा की मृत्यु रहमानिया अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई थी। मौत के बाद परिजनों के आवेदन के आधार पर स्थानीय पुलिस ने 296 / 24 कांड संख्या दर्ज कर रामसूरत राम सहित 11 लोग लोग तथा आधा दर्जन अज्ञात पर प्राथमिक दर्ज की गई, पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि मामले को प्राथमिक की दर्ज कर रामसूरत राम को सदर अस्पताल मोतिहारी से गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद गुरुवार को मोतिहारी जेल भेज दिया गया है। वही बाकी आरोपितों गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

माले नेता व मुखिया नवीन कुमार पर हुए फर्जी मुकदमा जिला प्रशासन वापस लेः सुनील कुमार राव

मुकदमा वापसी की मांग पर 06 जून को न्याय मार्चः माले

बेतिया। लोकसभा चुनाव में पश्चिम चंपारण क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी संजय जायसवाल के खिलाफ इंडिया एलायंस के प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी के लिए चुनाव प्रचार करने के वजह से भाकपा माले नेता, बैरिया पंचायत के मुखिया व मुखिया संघ के प्रवक्ता नवीन कुमार पर चुनाव बितते ही 27 मई को एक पुराने मामला में जो कंप्लिट फर्जी है में बैरिया थानेदार ने मुकदमा दर्ज (बैरिया थाना कांड़ संख्या 179/24) किया है, जिसका भाकपा माले तिखी निंदा करते हुए इसे वापस लेने की मांग करता है। एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाकपा माले नेता सुनील कुमार राव ने कहा कि निवर्तमान सांसद संजय जायसवाल अपने राजनीतिक विरोधियों को चुनाव बाद निपटाने में लगे हैं। माले नेता नवीन कुमार अति पिछड़ा समुदाय से आते है और खासकर बिंद मल्लाहों में खासे लोकप्रिय है और चुनाव प्रक्रिया के दौरान आक्रामक चुनाव प्रचार संचालित किया जिसके वजह से भाजपा और भाजपा सांसद जिला प्रशासन को मेल में लेकर मुकदमा दर्ज कराया है। तमकुही पटजिरवा पुल निर्माण और पुर्व मंत्री व नौतन विधायक नारायण प्रसाद द्वारा अतिपिछड़ा समुदाय के बिंद जाति के लोगों को उजाड़ने का विरोध माले नेता नवीन कुमार ने किया था। पखनाहा में संजय जायसवाल ने पुल निर्माण संबंधित एक सवाल उठाने पर पत्रकारों के सामने ही माले नेताओं को गाली दिया था।माले नेता ने कहा कि भाकपा माले नेता या कार्यकर्ता भ्रष्ट सांप्रदायिक ताकतों के दबाव में राजनीति करने वाला दल नहीं है। माले नेताओं और कार्यकर्ताओं को केस मुकदमा दर्ज करा या हत्या कराने जैसे धमकियों से नहीं ड़राया जा सकता है। माले नेता ने कहा जिला प्रशासन ठंढ़े दिमाग से मामले को सोचे और मुकदमा वापस ले नहीं तो 06 जून को न्याय मार्च निकाल विरोध किया जाएगा। यहाँ उल्लेखनीय है कि माले नेता नवीन कुमार पर पुर्व मंत्री और नौतन विधायक नारायण प्रसाद ने राज्य के मुख्य सचिव और उप मुख्यमंत्री के यहा आवेदन देकर बैरिया थाना परिसर में छठ घाट व चबुतरा निर्माण के दौरान मिट्टी काटने संबंधित आवेदन दिया था। जिसका जांच पुर्व में हो चुका था। लेकिन चुनाव में राजनीतिक विरोध के वजह से चुनाव बितते यह मुकदमा दर्ज किया गया है।

नाईन एमएम पिस्टल और चरस के साथ तीन गिरफ्तार

शहर के राजाबाजार से की गई गिरफ्तारी

मोतिहारी। जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के राजा बाजार पश्चिमी गोपालपुर मोहल्ले से पुलिस ने एक किराए के मकान में छिपे तीन अपराधियो को गिरफ्तार किया है। एसपी कान्तेश कुमार मिश्र के निर्देश पर पुलिस ने उक्त कार्रवाई की है। गिरफ्तार बादमाशों में नगर थाना क्षेत्र का ही हर्षित कुमार,मो मोसारिब खान व रोहित कुमार शामिल है। गिरफ्तार किए गए अपराधियो के पास से 9 एमएम का 1 आटोमेटिक पिस्टल,4 जिंदा कारतूस 1 किलो दस ग्राम चरस, 2 चाकू, 2 बाइक 4 मोबाइल व तीन एटीएम बरामद किया गया है। गिरफ्तार बदमाशो में हर्षित के विरुद्ध नगर थाने में वर्ष 2018 में आर्म्स एक्ट व वर्ष 19 में उत्पाद अधिनियम का मामला दर्ज है।

नर्सिंगहोम में आर्म्स के साथ हंगामा कर रहा पिता-पुत्र गिरफ्तार

मोतिहारी। जिले के कोटवा बाजार स्थित फ्लाई ओवरब्रिज के नज़दीक एक निजी नरसिंह होम में आर्म्स के साथ हंगामा कर रहे बाप-बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार पिता कोटवा थाने के पोखरा गांव का भूपेंद्र कुमार है। डीएसपी सदर 2 जितेश पांडेय ने बताया है कि पुलिस को सूचना मिली कि आर्म्स के साथ एक व्यक्ति नर्सिंगहोम में हंगामा कर रहा है। पुलिस के पहुंचने के बाद उक्त व्यक्ति को आर्म्स के साथ गिरफ्तार किया गया। मौके पर ही उसके नाबालिग बेटे को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उसके पास से 1 कट्टा, 3 जिंदा कारतूस,एक खोखा व एक बाइक जब्त किया गया है। इस मामले को लेकर नर्सिंगहोम के संचालक पुजेश कुमार ने एफआईआर दर्ज कराया है। बताया गया है कि भूपेंद्र नर्सिंगहोम संचालक से पहले से ही बार बार रंगदारी मांगता था। इस दौरान 29 मई की रात को भी वह रंगदारी मांगने पहुंचा और साथ ही गाली-गलौज करने लगा, जिसके बाद नर्सिंग होम के स्टाफ ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जहां से बाप के साथ ही बेटे को पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए युवक का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर पत्रकार हुए सम्मनित

बेतिया। बिहार राज्य के पश्चिम चंपारण ज़िला मुख्यालय बेतिया मे आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ ने एक गोष्ठी आयोजित किया जिसमें लगभग 60 पत्रकारों ने भाग लिया। गोष्ठी में एक दर्जन वरीय पत्रकारों को भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के तरफ़ से सॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव डॉ अमानुल हक ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता को प्रारंभ हुए आज ठीक 198 साल पूरे हो गए हैं। लगभग दो सौ साल के इस सफ़र में हिंदी पत्रकारिता ने काफी उतार चढ़ाव देखे। आज ही के दिन यानी 30 मई 1826 को ''उदन्त मार्तण्ड'' नामक पहला हिंदी समाचार पत्र कलकत्ता से प्रकाशित हुआ था। इसिलए आज का यह दिन हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सवारी गाड़ी का इंजन हुआ फैल यात्री हुए बेहाल करना पड़ा परेशानी का सामना

वाल्मीकिनगर। गोरखपुर कैंट से नरकटियागंज आ रही सवारी गाड़ी के पावर इंजन में अचानक खराबी आ जाने के कारण गाड़ी बीच रास्ते में रुक गई। इस घटना से गाड़ी में सवार यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल, 05096 सवारी गाड़ी 12.15 में बगहा स्टेशन पार की थी। जैसे ही यह ट्रेन खैर पोखरा पहुंची इसका इंजन फेल कर गया। इधर इंजन फेल होने के कारण भरी दुपहरी में लोग परेशान हो गए। बगहा स्टेशन मास्टर संतोष कुमार पांडे ने बताया कि बगहा से खुली थी जिसके बाद गाड़ी में पावर इंजन फेल हो गया। फिलहाल, नरकटियागंज से दूसरे इंजन की व्यवस्था की जा रही है ताकि नरकटियागंज तक ट्रेन को भेजा जा सके। इधर इंजन खराब होने के बाद से यात्रियों को घंटों तक भीषण गर्मी में इंतजार करना पड़ा। कई यात्री विशेष रूप से बुजुर्ग और छोटे बच्चे, अत्यधिक गर्मी और पानी की कमी के कारण अत्यधिक परेशान दिखे। दरअसल, पोखरा स्टेशन काफी छोटा स्टेशन है ऐसे में यात्रियों को पानी के किल्लत से झूझना पड़ा। फिलहाल यात्रियों के द्वारा दूसरे इंजन का इंतजार किया जा रहा है ताकि इंजन आने पर यात्री अपने स्टेशन पर पहुंच सके।

कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर में श्री अन्न की खेती पर प्रक्षेत्र दिवस का किया गया आयोजन

बेतिय। मझौलिया प्रखंड के माधोपुर स्तिथ कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मोटे अनाज पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया यह कार्यक्रम पोषक अनाज मूल्य श्रृंखला एवं उत्कृष्ट केंद्र डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवम कृषि विज्ञान केन्द्र के संजुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर के प्रक्षेत्र में मोटे अनाज की प्रजाति प्रत्यक्षण के रूप में मडवा, चीना एवम अन्य लघु मिलेट की विभिन्न प्रजातियां को लगाया गया है। साथ ही प्रखंड के प्रगतिशील किसान अवधेश कुमार झा के खेत में भी अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के रूप में में भी लगाया गया। उन्होंने बताया की इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है मोटे अनाज जो की विलुप्त होने के कगार में थे एवम बदलते जलवायु की दृष्टिकोण से उनकी खेती को बढ़ावा देना है तथा उन्हें अपने भोजन में भी शामिल करना है जो कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बहुत ही लाभदायक है। कार्यक्रम के दौरान डा अनुपम अमिताभ सहायक प्राध्यापक एस आर आई एवं सह-प्रधान अन्वेषक मिले प्रोसेसिंग ने बताया की लोगों को अब मोटे अनाज की ओर लौटने के लिए सरकार के द्वारा विभिन्न योजनाओं के द्वारा के तहत प्रेरित किया जा रहा है। इसको लेकर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं । उन्होंने यह भी बताया कि किसानों को मोटे अनाजों की प्रसंस्करण में जो दिक्कतें आती हैं उसको लेकर के पोशाक अनाज मूल्य श्रृंखला एवं उत्कृष्ट केंद्र डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भवष्यि में कृषि विज्ञान केंद्र को यंत्रों की उपलब्धता करवाई जाएगी ताकि मोटा अनाज कटाई के बाद प्रसंस्करण के किसानों को लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही बदलते हुए जलवायु को देखते हुए हमें ऐसी फसलों का ही चयन करना है परियोजना में कार्य कर रहे रोहित कुमार, वाई पी 2 ने बताया कि मोटा अनाज हमारे लिए लाभदायक है साथ ही साथ उनमें लागत कम हो और सिंचाई की कम आवश्यकता सकता पड़े। कार्यक्रम के दौरान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. रीता देवी यादव, सत्येंद्र नाथ सिंह एवं शोधकर्ता डॉ.अभिषेक रंजन , शिवम कुमार, अवधेश कुमार, मनोज कुमार, दिलखुश कुमार, शैलेंद्र कुमार, कमलेश कुमार सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।

संपादकीय

50 पार पारे का कहर

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई भागों में गर्मी कहर बरपाए हुए है। राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों के साथ ही उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में भी यही हाल है। कई राज्यों में स्कूलों में अवकाश घोषित करना पड़ा है। आगामी दिनों में भी गर्मी की तपिश और लू के थपेड़ों से राहत के आसार नहीं हैं। देश में जगह-जगह लगातार गर्मी का रिकॉर्ड टूट रहा है। मंगलवार को दिल्ली के कई इलाकों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इस बीच, दिल्ली-एनसीआर गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। महानगर दिल्ली में पानी की किल्लत इस कदर है कि पानी की राशनिंग करने तक की नौबत आ गई है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली में पेयजल संकट का ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ते हुए चेताया है कि जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उनका कहना है कि हरियाणा सरकार ने दिल्ली के हिस्से का पानी यमुना में छोड़ना बंद कर दिया है। दिल्ली के नागरिकों को भी उन्होंने चेताया है कि गैर-जिम्मेदाराना तरीके से पानी का इस्तेमाल न करें। गाड़ी धोने जैसे कामों में पानी का इस्तेमाल न हो। यदि पानी का इस्तेमाल गैर-जिम्मेदाराना तरीके से होता मिला तो चालान भी किए जा सकते हैं। भीषण जल आपूर्ति का सामना कर रहे इलाकों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति दिन में दो बार की बजाय एक बार करने की बात भी कही गई है। कई इलाकों से लोगों के गर्मी और लूट की चपेट में आकर बीमार पड़ने के मामले भी आने लगे हैं। लू की चपेट में आए लोगों को बुखार, सिरदर्द, उल्टी और बेहोशी जैसी शिकायतें हैं। हीट स्ट्रोक के साथ ही डिहाइड्रेशन की गंभीर चुनौती भी दरपेश है। इससे बच्चों को बचाए रखना बेहद जरूरी है। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी और लू का आलम यह है कि दिन ही नहीं देर शाम तक भी लू और गर्म हवाएं लोगों को हलकान किए रहती हैं। भीषण गर्मी और लू किसी एक साल तक सीमित मौसमी घटना नहीं है। दरअसल, बढ़ते शहरीकरण के चलते हरियाली की कमी और सीधी धूप के निशाने पर आने के कारण हम 'अर्बन हीट आइलैंड' (यूएचआई) के प्रभाव में हैं, जिसके आने वाले समय में बढ़ने की ही संभावना है, कम होने की नहीं। ऐसी अति मौसमी स्थितियों में रहना हमें सीख लेना होगा।

डीयू की पहल

दिल्ली विश्वविद्यालय ने एकल बालिका आरक्षण के तहत दाखिला शुरू किया है। इस बाबत फैसले के मुताबिक, 2024-25 के लिए सुपरन्यूमैरेरी कोटा के तहत सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए सभी कॉलेजों और विभागों की प्रत्येक कक्षा में एक-एक सीट आरक्षित रखी जाएगी। बीते साल दिल्ली विश्वविद्यालय ने देश में पहली बार अनाथ छात्रों के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की थी। गौरतलब है कि दिल्ली विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय है, और हर हाल यहां स्नातक, परास्नातक और पीएचडी पाठय़क्रमों में प्रवेश पाने के लिए कड़ी होड़ होती है। सीयूईटी यानी केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा की जाने वाली कॉमन यूनिवर्सिटी इन्ट्रेंस टेस्ट व्यवस्था (सीयूईटी) भी यहां 2022 से लागू है। यह राष्ट्रीय स्तर की विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा है। बीते वर्ष छत्तीस लाख से ज्यादा छात्र इस परीक्षा में शामिल हुए थे जिनमें से बाइस हजार छात्रों के सौ परसेंटाइल स्कोर थे।

जाहिर है कि ऐसे में स्नातक करने के लिए सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रवेश मुश्किल हो जाता है। उस पर डीयू में पढ़ना मेधावी छात्रों का स्वप्न होता है। यूं तो सरकार की कई ऐसी योजनाएं हैं, जिनमें में इकलौती लड़कियों को सुविधाएं दी जा रही हैं और अनेक केंद्रीय विद्यालयों में यह व्यवस्था पहले से ही है। वहां इकलौती बच्चियों के लिए दो सीटें पहली कक्षा के प्रति अनुभाग में शुल्क मुक्त हैं। 2011 में नेशनल काउंसिल फॉर अप्लाएड इकोनोमिक रिसर्च के 2011 के अध्ययन के अनुसार 10% परिवार और एक-तिहाई कॉलेज जाने वाली युवतियां एक ही बच्चा चाहती हैं। 2018 के परिवार स्वास्थ्य सव्रे4 में पता चला कि 24% विवाहित महिलाएं और 27% पुरुष दूसरा बच्चा नहीं चाहते। परंतु यह सोच अभी शहरी, शिक्षित और संपन्न दंपतियों तक ही सीमित है। इसलिए उच्च शिक्षा में इस तरह का आरक्षण खास वर्ग तक ही सीमित रह सकता है। इसका लाभ गरीबों, पिछड़ों और दूर-दराज के इलाकों के अभिभावकों तक नहीं जा सकता। शिक्षा को लेकर आम जन पहले के मुकाबले सतर्क होता नजर आ रहा है। इस तरह की योजनाओं के लाभ के सहारे बेहतर भविष्य बनाने की चाह रखने वाली बेटियों की राह के रोड़े यूं ही हटते रहेंगे। इकलौती बेटियों के अभिभावकों को प्रोत्साहित करने का इस तरह का कोई भी कदम बेहद सकारात्मक कहा जाएगा जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना कर तमाम अन्य शिक्षण संस्थाओं के समक्ष बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सामयिक : इंटरनेशनल कोर्ट का संकट

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने संतुलन के तराजू में इस्त्रइल के शीर्ष नेताओं और हमास के शीर्ष नेताओं को साथ रखने का साहस दिखाया तो पूरी दुनिया में हल्ला मच गया।

आईसीसी के अभियोजन पक्ष ने हमास पर युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध, मर्डर, रेप, बंधक बनाने जैसे आरोप लगाए गए हैं। वहीं नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ युद्ध अपराध और मानवता के विरुद्ध अपराध, जिनमें विनाश, उत्पीड़न, युद्ध के तरीके के रूप में भुखमरी पैदा करना, मानवीय राहत आपूर्ति से इनकार करना और हमास को हराने के प्रयास में जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाना शामिल है। करीम रवांडा, लेबनान और सिएरा लियोन की आपराधिक अदालतों में भी काम कर चुके हैं। ये तीनों देश गृह युद्ध और हिंसा की चपेट में आ चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इस्त्रइल और हमास पर जो आरोप लगाए हैं, उनकी पुष्टि इन घटनाओं से की जा सकती है। सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने इस्त्रइल पर हमला किया था। हमले में 1200 लोग मारे गए थे और कई लोगों को बंधक बनाया गया था। हमास के लड़ाकों ने कई महिलाओं के साथ गैंगरेप किए, उनकी निर्मम हत्याएं की और उनके शरीर को क्षत-विक्षत कर दिया। कई लोगों की गर्दन और उनके अंग काट कर सड़क पर फेंक दिए गए और फिर आतंकी उनके साथ खेल रहे थे।

कई लोगों ने लोगों की हत्या, रेप और सिर काटे जाने की आवाजें और चीखें सुनीं। हमास के आतंकवादियों के विभिन्न समूहों की क्रूरता के तरीके अलग-अलग थे। इस्त्रइल के पुलिस प्रमुख याकोव शबताई ने कहा कि यह पूर्वनियोजित घटना थी। माना जाता है कि हमास ने इस्लामिक स्टेट समूह और बोस्निया से महिलाओं के शरीर को हथियार बनाने का तरीका सीखा। यह सब इतना भयावह था कि कई लोग इस्त्रइल के मानसिक स्वास्थ्य

अस्पतालों में भर्ती हैं, जो उस खौफ से अब भी नहीं उबर पाए हैं, और पागल हो गए हैं। हमास जिन्हें बंधक बना कर ले गया, वे या तो मारे गए हैं, या अंधेरी सुरंगों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिए गए हैं। हमास की निर्ममता का जवाब इस्त्रइल ने बेहद प्रतिशोधात्मक तरीके से दिया है। इस्त्रइल की जवाबी कार्रवाई में अब तक गजा और वेस्ट बैंक में 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सात अक्टूबर को हमास हमले के बाद इस्त्रइल ने गजा पट्टी की पूरी तरह से घेराबंदी का आदेश दिया अर्थात समूची आबादी का बिजली, पानी और ईंधन बंद कर दिया गया। इस्त्रइल फिलस्तीनी क्षेत्रों पर लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है। फिलस्तीनी घायलों को भी नहीं बख्श रहा। गजा में फिलस्तीनी कैदियों को अस्पताल में बिस्तरों पर बेड़ियों से बांध कर रखा जाता है और आंखों पर पट्टी बांध दी जाती है। कभी-कभी उनके सारे कपड़े उतार दिए जाते हैं। इस्त्रइली सेना ने गजा में पूर्वी रफाह के अलग-अलग इलाकों में हमले कर लाखों लोगों को बेघरबार कर दिया है। इस्त्रइली हवाई हमलों और नाकाबंदी के कारण अधिकांश अस्पतालों ने काम करना बंद कर दिया है। बिजली और ईंधन की कमी के कारण लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। फिलस्तीनी क्षेत्रों में अकाल जैसे हालात बन गए हैं। हमास को अपने अपराधों पर कोई अफसोस नहीं है और वह बंधकों को छोड़कर युद्ध खत्म करने की कोशिशें भी नहीं कर रहा। वहीं इस्त्रइल ने आईसीसी अभियोजक के इस दावे को जोरदार तरीके से खारिज कर दिया है कि गाजा में आईडीएफ का अभियान जानबूझकर फिलिस्तीनी नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से है। युद्ध अपराध और मानवाधिकार की समस्या को लेकर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की निष्पक्षता को नकारने से वैकि ताकतों ने भी परहेज नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस निर्णय को भयावह बताते हुए कहा कि इस्त्रइल और हमास के बीच कोई समानता नहीं है। चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और आतंकवादी संगठन की झूठी तुलना को भयावह और पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया।

इस्त्रइली राष्ट्रपति इसहाक हरजोग ने इस्त्रइल को लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और हमास को नृशंस आतंकवादी बताते हुए आईसीसी की तुलना को अपमानजनक कहा। वहीं हमास नेताओं ने करीम खान की मांग के बारे में कहा कि वो कातिल और पीड़ित को एक बराबर रख रहे हैं। दुनिया भर में युद्ध और हिंसा के हालात हैं, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के निर्णय को नजीर की तरह लिया जाना चाहिए था जिससे संयुक्त राष्ट्र में करोड़ों लोगों का विास बढ़ सकता था।

वहीं संकट यह है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के निर्णयों का पालन कैसे होगा। आईसीसी के समझौते पर जिन 124 देशों ने हस्ताक्षर किए थे उनमें इस्त्रइल शामिल नहीं है। यानी आईसीसी का सदस्य नहीं है। फिलस्तीन समझौते पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल है, ऐसे में आईसीसी के पास कानूनी अधिकार है कि वो कार्रवाई कर सके। अब सवाल है कि अगर वारंट जारी किया जाता है तो फिलस्तीनी प्रशासन को हमास के नेता याह्या सिनवार, हमास की अल कासिम ब्रिगेड के नेता मोहम्मद दियाब इब्राहिम अल मसरी और हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनियेह को गिरफ्तार करना होगा। फिलस्तीन में कोई प्रशासन है ही नहीं और यह हमास के प्रभाव क्षेत्र में है।

अतः नामुमकिन है कि हमास अपने प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर ले। वहीं प्रधानमंत्री नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ वारंट जारी किया जाता है तो आईसीसी के जिस समझौते पर जिन देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, उनको मौका मिलने पर जिस व्यक्ति के खिलाफ वारंट जारी किया गया है, उसे हिरासत में लेना होगा। नेतन्याहू को दूसरा कोई देश गिरफ्तार कर ले, यह भी नामुमकिन है। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट को जायज ठहराते हुए करीम खान ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सशस्त्र संघर्ष से जुड़े कानूनों को सभी पक्षों को मानना होगा, फिर चाहे आप कोई भी हों, लेकिन लगता है कि गिरफ्तारी वारंट ठीक उसी तरह मजाक बन जाएगा, जैसे पुतिन के खिलाफ जारी होने के बाद भी वे चीन के खास मेहमान बन कर आ गए थे।

-डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

पुण्यतिथि : किसानों के असली रहनुमा

देश की आजादी के शुरुआती दशकों में जनसंचार माध्यमों के खासे अभाव के बाद भी किसानों की लड़ाई लड़ने वाले नेता की पहचान अखिल भारतीय स्तर पर किसान मसीहा के रूप में स्थापित होना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। ऐसे में चौधरी चरण सिंह समकालीन पीढ़ी के लिए उस दौर के अचंभित करने वाले नेता के तौर पर ही पहचाने जाते हैं। उनके किसान हितैषी व्यक्तित्व का ही प्रभाव रहा कि मौजूदा भारत सरकार को चुनावी वर्ष में चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित कर उस महान धारा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी पड़ी।

चौ. चरण सिंह ने लोकतांत्रिक भारत के इतिहास में पहली बार प्रशासनिक सेवाओं में खेतिहर और ग्रामीणों के लिए पचास फीसद आरक्षण की बात की। लालकिले की प्राचीर से बोलते हुए खेती-किसानी और नौजवानों के रोजगार को ही मुद्दा बनाते रहे। जहां एक ओर उन्होंने राजनीतिक भ्रष्टाचार से खुद को आजीवन बचाए रखा, वहीं अपने से जुड़े लोगों की शुचिता और साख के मजबूत बने रहने के लिए विशेष अनुशासन के नियम को भी बनाए रखा। उनके व्यक्तित्व का ही असर था कि राजनीति में गलत और अन्याय करने वाला शख्स उनके आसपास भी नहीं आ सका।

देश के शीषर्स्थ पद पर पहुंचने की यात्रा के दौरान वे राग-द्वेष से पूरी तरह मुक्त रहकर अपनी दिनचर्या का संपूर्ण समय समाज के वंचित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के विषय में कार्य करते रहे। उनके लेखन को पढ़ने और समझने से एक दृष्टि पैदा होती है कि कैसे राजनीति में रहते हुए चकाचौंध से दूर रह कर आमजन के हित का काम पूरी ईमानदारी से किया जा सकता है। 1937 में पहली बार बागपत-गाजियाबाद परिक्षेत्र से चुनाव जीतने के बाद ही उन्होंने 'लैंड यूटीलाइजेशन बिल' बनाकर सरकार द्वारा इस पर विशेष विचार का आग्रह किया था। फलस्वरूप किसान आंदोलन के अग्रणी नेताओं ने उन्हें विशेष महत्त्व दिया। किसान आंदोलन के प्रो. एन.जी. रंगा ने 'मंडी समिति एक्ट' में चरण सिंह के सुझावों को शामिल किया था। 1950 में यूपी के मुख्यमंत्री संपूर्णानंद की सरकार में चौधरी

साहब के प्रयास और मार्गदर्शन में ही जमींदारी उन्मूलन विधेयक बना जो एक जुलाई, 1952 को लागू भी हो गया।

इसी तरह 1964 में सुचेता कृपलानी की सरकार में बतौर कृषि मंत्री उन्होंने 'कृषक समाज' की स्थापना के माध्यम से किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रयास शुरू किया जिसे आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री बनने के बाद 'चकबंदी कानून' को अतिरिक्त मजबूत करते हुए किसान हित का ध्यान रखा। 23 दिसम्बर, 1977 को केंद्र सरकार द्वारा उन्हें मंत्रिमंडल से निकाले जाने के विरोध में आयोजित किसान रैली की ऐतिहासिक भीड़ के विषय में जानकर तत्कालीन समय में उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

1977 में जनता पार्टी की प्रथम बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था और किसान नीति की बेहतरी के लिए बनाई गई रिपोर्ट की चर्चा करते हुए उन्होंने लघु एवं कुटीर उद्योग के लिए बजट का 40 प्रतिशत हिस्सा कृषि पर व्यय करने से लेकर 50 फीसद गांवों के विकास पर खर्च करने का पक्ष रखा। किसान विकास योजनाओं में धन की पर्याप्त उपलब्धता करने के लिए उन्होंने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान नाबार्ड का गठन किया जिसकी सफलता आज भी निर्विवाद है। 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चर्चा करते हुए उन्होंने पांच बिंदुओं पर अपनी बात कही थी कि प्राथमिक आवश्यकताएं सब की पूरी हों, ऐशो-आराम की चीजें नहीं। दूसरे, सब को रोजगार मुहैया हो, तीसरे, अमीरों और गरीबों में अंतर कम से कम होता जाए। चौथे, हर आदमी ईमानदार हो अर्थात देश में भ्रष्टाचार न हो और हर आदमी रोटी कमाने के काम में स्वतंत्र रहे, अपने कर्त्तव्य का ईमानदारी से पालन करता रहे। पांचवें, हर आदमी अपने मुल्क को तरक्की की बुलंदियों तक पहुंचाने का स्वप्न देखे और एक यह भी कि भारत में ऊंच-नीच का भेदभाव बिल्कुल न रहे।

इसके साथ ही चौधरी साहब ने एक ठोस आर्थिक नीति का मॉडल प्रस्तुत किया। गांधीवादी परंपरा के चौधरी चरण सिंह अपने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत संपत्ति के आग्रह से पूरी तरह दूर रहे। 1974 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनके दो प्रिय शिष्य नौजवान सतपाल मलिक और राजेन्द्र चौधरी उभरे जो आज भी उस धारा के प्रकाश बिंदु के रूप में क्रमशः पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री के रूप में उनकी वैचारिकी को जीवंत बनाए हुए हैं। बीते कुछ वर्षो में जिस तरह किसानों के मुद्दों और उनका दखल एक दबाव समूह के रूप में उभरा है उसे चौधरी साहब की नीतियों के आधार पर समाजवादी विचार परंपरा के वाहक अखिलेश यादव राजनीति के केंद्र में बनाए हुए हैं। आज जब राजनीति व्यवसाय, विचारहीनता और पदलोलुपता के मकड़जाल में उलझता चला जा रही है, ऐसे में चौधरी चरण सिंह की याद बेपटरी हो चुकी राजनीति में प्रकाशपुंज की भांति प्रतीत होती है। चौधरी साहब की पुण्यतिथि पर सच्ची श्रद्धांजलि उनकी किसानोन्मुख छवि पर आमजन के बीच विमर्श करते हुए किसानों की मूलभूत समस्याओं के विषय में मौलिक एवं सहज समाधान प्राप्त करने का प्रयास हो सकती है।

-मणोन्द्र मिश्रा

आज का पंचांग

31 मई 2024 को ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है। इस तिथि पर शतभिषा नक्षत्र और विष्कंभ योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो शुक्रवार को अभिजीत मुहूर्त 11:51 12:45 मिनट तक रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : आज किसी परिजन से अकारण अनबन हो सकती है. किसी बने बनाए कार्य में विलंब हो सकता है. यात्रा पर जाना पड़ सकता है. पिता से संबंध सुधर सकते हैं. व्यापार में अनावश्यक परिवर्तन करने से बचें अन्यथा आय कम हो सकती है. राजनीति में पद एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी. नौकरी में उच्च अधिकारी का वरदहस्त रहेगा. रोजगार की तरह पूरी होगी.

वृषभ : आज व्यर्थ भाग दौड़ बनी रहेगी. सरकारी कार्य में विघ्न आने से मन खिन्न बना रहेगा. देव दर्शन के योग बनेंगे. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से भेंट होगी. व्यापार में कठिन परेशान करना पड़ेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. किसी से मारपीट हो सकती है. किसी परिजन के कारण मन खिन्न रहेगा.

मिथुन : आज संतान सुख में वृद्धि होगी. विद्यार्थियों की अध्ययन में अभिरुचि रहेगी. किसी अभिन्न मित्र से भेंट होगी. कार्य क्षेत्र में कोई विरोधी आपके विरुद्ध उच्च अधिकारी को बरगला सकता है. व्यापार में कठिन परिश्रम के पश्चात ही कुछ सफलता होगी. आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को लोगो से सहयोग, सम्मान मिलेगा.

कर्क : आज शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी. रोजगार और व्यापार में उन्नति के साथ विस्तार होगा. नौकरी में पदोन्नति के साथ मनचाहा स्थान प्राप्त होगा. ऋण लेने के प्रयास सफल होंगे. मांगलिक कार्यक्रम का आमंत्रण प्राप्त होगा. कोर्ट कचहरी के मामले में सफलता प्राप्त होगी. सामाजिक गतिविधियों में वृद्धि होगी.

सिंह : आज का दिन संघर्ष युक्त रहेगा. बनते बनते कार्य में व्यवधान आएगा. किसी के बहकावे में न आए. अपनी बुद्धि विवेक से कार्य करें. सामाजिक कार्य में रुचि कम होगी. कार्यक्षेत्र में आप अपने पराक्रम से आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल होंगे. उच्च पद प्रतिष्ठित लोगों के साथ जनसंपर्क बनेंगे.

कन्या : आज कार्य क्षेत्र में भागदौड़ बनी रहेगी. किसी नए कार्य में हाथ डालने से बचें अन्यथा हानि हो सकती है. पहले से रुके हुए कार्य बनने की संभावना रहेगी. समाज में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. शत्रुपक्ष आपके साथ प्रतिस्पर्धा की भावना से व्यवहार करेंगे.

तुला : आपको सामान्य सुख सहयोग आदि प्राप्त होने की संभावना रहेगी. महत्वपूर्ण कार्यों में सोच समझकर निर्णय ले. अधिक जल्दबाजी में विशेष रूप से कार्य क्षेत्र के संबंध में कोई बड़ा निर्णय न लें. लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी रखें. अचानक किसी पर जल्दी में विश्वास न करें. अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें.

वृश्चिक : आज नौकरी में पदोन्नति के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी. व्यापार में नए सहयोगी लाभकारी सिद्ध होंगे. राजनीति में पद व प्रतिष्ठा बढ़ेगी. किसी व्यापारिक कार्य से यात्रा पर जाना पड़ सकता है. शासन सत्ता का लाभ मिलेगा. बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होगा. भूमि के क्रय विक्रय के अवसर प्राप्त होंगे.

धनु : आज मजदूर वर्ग को रोजगार प्राप्त होगा. विद्यार्थियों की अध्ययन में अभिरुचि रहेगी. व्यापारिक कार्य में आई बाधा सरकारी मदद से दूर होगी. लाभ मिलेगा. नए कार्य व्यवसाय शुरू कर सकते हैं. निर्माण संबंधी कार्य पर अत्यधिक धन व्यय होगा. आपके बजट से अधिक धन खर्च होने के योग हैं.

मकर : आज दिन की शुरुआत व्यर्थ भाग दौड़ के साथ हो सकती है. कार्य क्षेत्र में किसी सहयोगी से अकारण वाद विवाद हो सकता है. मन में बार-बार नकारात्मक विचार आएंगे. व्यापार में मन नहीं लगेगा. आपका मन बार बार भोग विलास वृत्ति में लगेगा. नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं.

कुंभ : आज का दिन आपके लिए ग्रह गोचर के अनुसार सामान्य लाभ एवं उन्नति कारक रहेगा. आवश्यकता को अधिक न बढ़ने दें. गुप्त शत्रु आपकी कमजोरी का लाभ उठाने की कोशिश करेंगे. परिश्रम करने की आवश्यकता रहेगी. अपने सहयोगियों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी.

मीन : आज का दिन आपके लिए उन्नत दायक रहेगा. महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी. अपने प्रत्येक कार्य को समझदारी पूर्वक करें. सामाजिक गतिविधियों में अधिक भाग न लें सामाजिक स्तर बढ़ेगा. कोई लंबी यात्रा या विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं. कार्य व्यवसाय के लिए समय श्रेष्ठ रहेगा. सहयोगियों का पूर्ण सहयोग मिलने से व्यापार में विस्तार होगा.

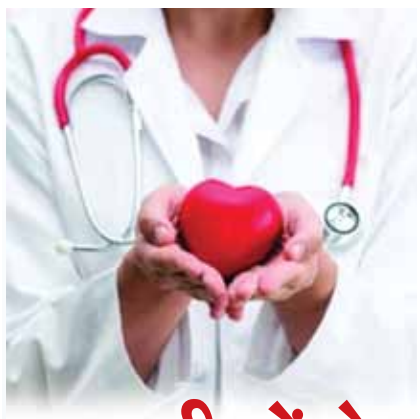

इन तरीकों से कमजोर होता है आपका दिल

आपका दिल दो तरह से सेहतमंद होता है और मुख्य रूप से दो तरीकों से ही कमजोर होता है। हेल्दी कार्डियोवस्कुलर हेल्थ के लिए जरूरी है कि आप शारीरिक रूप से भी अपने दिल को मजबूत रखें और भावनात्मक रूप से भी। क्योंकि इन दोनों में से कोई एक भी कमजोरी आपके दिल को बीमार करने के लिए काफी है।

इस तरह दूर होती हैं ये कमजोरी

- हार्ट को भावनात्मक कमजोरी से मुक्ति दिलाने के लिए आपको मानसिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है। इस काम में योग और ध्यान आपकी बहुत मदद करेंगे।
- वहीं, शारीरिक और क्रियान्वयन के तरीकों से दिल को मजबूत रखने के लिए आपको अपने भोजन में कुछ खास चीजों को शामिल करने की जरूरत है। ताकि आपकी नसों में वसा का जमाव ना हो और आपके हार्ट की पंप करने की शक्ति लगातार बनी रहे।

ये चीजें खाना है जरूरी

- उन लोगों के दिल की धड़कनें एक रिदम में रहती हैं, जो इन फूड्स को नियमित रूप से खाते हैं। ऐसा सिर्फ हम नहीं कह रहे हैं बल्कि आप खुद भी कहेंगे, जब ऐसा भोजन करनेवाले लोगों की फिजिकल और मेंटल फिटनेस को देखेंगे।
- जो लोग अपनी डायट में उबली हुई सब्जियों का सेवन करते हैं, उनके शरीर पर एक्स्ट्रा फैट जमा नहीं हो पाता है। साथ ही उनका पाचनतंत्र भी बहुत अच्छी तरह काम करता है। इस कारण उनकी ब्लड वेसल्स एकदम साफ और हेल्दी होती है।

दही खाने से भी होता है लाभ

- गर्मी के मौसम में और सर्दियों के मौसम में दोपहर के समय भोजन या स्नैक्स के साथ दही का सेवन करना बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही आपके शरीर की नसों को अंदर से पोषण देने का काम करती है। साथ ही आपकी अंदरूनी और बाहरी त्वचा को अधिक सपल बनाती है।
- दही में पाए जानेवाले हेल्दी बैक्टीरिया आपकी आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को पोषण देने और उनकी संख्या में वृद्धि करने का काम करते हैं। इससे आपका खाया हुआ भोजन अच्छी तरह पचता है और शरीर को सही मात्रा में पोषण मिलता है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह सही बना रहता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।

खाएं फ्रूट्स और ड्राई फ्रूट्स

- आपकी कार्डियोवस्कुलर हेल्थ के लिए नट्स यानी ड्राई फ्रूट्स का सेवन बहुत जरूरी है। भीगे हुए बादाम आपके दिल की सेहत को सही रखने में सहायक हैं। इसके साथ ही काजू, किशमिश, अखरोट, खुमानी आदि खाने से दिल बहुत सेहतमंद रहता है।

डेयरी प्रॉडक्ट्स

- डेयरी प्रॉडक्ट्स यानी दूध, घी, पनीर और छाछ सभी हमारे दिल की कार्य प्रणाली को सुचारू बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। आमतौर पर घी के सेवन को दिल की सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। लेकिन यह बात गाय के शुद्ध देसी घी पर लागू नहीं होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार, गाय का देसी घी खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है। हृदय को स्ट्रोक और अटैक का खतरा कम होता है। गाय का घी आपकी नरव्स में स्टोर नहीं होता है। बल्कि सुपाच्य होने के कारण यह शरीर की आंतरिक और बाह्य त्वचा को पोषण देने का काम करता है।

सेहत खराब कर सकते हैं केमिकल से पके हुए आम

आम के शौकीन लोग गर्मियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। यही वो मौसम होता है जब फलों का राजा आम हर किसी को अपने रसीले मीठे स्वाद और खुशबू से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन समस्या तब होने लगती है जब आम को समय से पहले पकाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। केमिकल से पके हुए आम का सेवन करने से व्यक्ति को कई तरह की सेहत से जुड़ी समस्याएं तक हो सकती हैं। ऐसे में सेहत से जुड़े इस खतरे को पहचानने के लिए आइए आपको बताते हैं कैसे की जा सकती है केमिकल से पके आमों की पहचान और केमिकल से पके आम को खाने से सेहत को होता है क्या नुकसान।

नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याएं

केमिकल से पकाए गए आम खाने से नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कई शोध और अध्ययन इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि आम को पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हानिकारक रसायन नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर की समस्या पैदा कर सकते हैं। कार्बाइड का इस्तेमाल कर पकाए गए आम का सेवन करने से ब्रेन डैमेज होने का भी खतरा बना रहता है।

सर्वाइकल कैंसर

हानिकारक रसायनों की सहायता से पकाए हुए आम को खाने से कोलन कैंसर, स्किन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर का खतरा भी बना रहता है।

पेट से जुड़ी समस्याएं

समय से पहले आम को जल्दी पकाने के लिए कार्बाइड जैसे हानिकारक केमिकल का इस्तेमाल किया है। ऐसे में इस केमिकल से पकाए गए आम का सेवन करने से पेट से जुड़ी गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

स्किन से जुड़ी दिक्कत

केमिकल से पकाए गए आम खाने से कई बार स्किन से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कैसे करें केमिकल से पके आम की पहचान

- प्राकृतिक रूप से पके हुए आम का रंग हल्का हरा और पीला होता है। लेकिन केमिकल की सहायता से पकाए गए आम की सतह एकदम पीली और चमकदार दिखती है और इसपर हल्के हरे रंग के पैच दिखाई देते हैं।
- आम को पानी की बाल्टी में डालने पर जो आम पानी में डूब जाएं वे अच्छे और प्राकृतिक रूप से पके हुए होते हैं। लेकिन जो आम पानी के ऊपर तैर रहे होते हैं उन्हें आर्टिफिशियल रूप से पकाया गया होता है।
- केमिकल से पकाए गए आम का सेवन करने पर मुंह में हल्की सी जलन महसूस होती है जबकि सामान्य तरीके से पके हुए आम खाने पर ऐसा महसूस नहीं होता है। इसके अलावा केमिकल से पके हुए आम का आकार भी छोटा होता है और इनमें से रस टपकता हुआ नजर आता है।
- प्राकृतिक रूप से पके हुए आम का स्वाद मीठा होता है। जबकि केमिकल से पकाए गए आम का स्वाद हल्का या अजीब भी हो सकता है। अगर कुछ दिन में ही आम का स्वाद खराब हो जाता है तो यह केमिकल से पका हुआ आम हो सकता है। इस तरह के आम खाने से कई बार पेट दर्द, दस्त और उल्टी जैसी समस्याएं भी होती हैं।

इस खास वजह से सूखता है लोगों का मुंह

गर्मियां में अक्सर कई लोग मुंह सूखने की शिकायत करने लगते हैं। लेकिन क्या आप वाकई मुंह सूखने की असली वजह जानते हैं?

दरअसल, शरीर में पानी की कमी, डायबिटीज, नर्व डैमेज, तंबाकू, शराब और अधिक दवाओं का सेवन करने से भी व्यक्ति का मुंह सूखने लगता है। अगर आपको भी कभी इस तरह की समस्या परेशान करे तो आप ये कुछ घरेलू उपाय आजमाकर इस परेशानी से राहत पा सकते हैं।

खूब पानी पिएं

कई बार शरीर में पानी की कमी होने की वजह से भी मुंह सूखने लगता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को डिहाइड्रेशन की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए खूब पानी पिएं।

ओरल हाइजीन है जरूरी

कई बार मुंह सूखने का एक कारण बैक्टीरियल और संक्रमण से जुड़ी समस्या भी हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए आपको ओरल हाइजीन का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। इस समस्या से बचने के लिए रोजाना दांतों को ब्रश करें, जीभ की अच्छे से सफाई करें।

अदरक

अदरक का सेवन करने से लार ग्रंथियों को उत्तेजित करने में मदद मिलती है, जो लार के उत्पादन को बढ़ावा देता है। इस उपाय को करने से मुंह सूखने की परेशानी कम की जा सकती है।

स्ट्रेस को दूर रखता है कच्चा पनीर

घर पर मेहमान आ रहे हो या फिर कुछ स्पेशल खाने का करें मन, पनीर का ऑप्शन हर समय आपके पास खुला होता है। पनीर का स्वाद लोगों को इतना पसंद होता है कि इसे हर उम्र के लोग खाना पसंद करते हैं।

वेट लॉस

पनीर का सेवन करके आप अपना वजन कम और ज्यादा दोनों कर सकते हैं। ये दोनों के लिए ही बहुत लाभकारी हो सकता है। इसमें मौजूद लीनेलाइक एसिड शरीर में फैट बर्निंग प्रक्रिया को तेज करने में मदद कर सकता है। अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए आपके पनीर की सही मात्रा का सेवन करना है।

स्ट्रेस रखें दूर

आज ज्यादातर लोग स्ट्रेस की शिकायत करते हैं। इससे बचने के लिए आपको हेल्दी डाइट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में कच्चे पनीर का सेवन इस समस्या से बचाने में मदद कर सकता है।

पनीर में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, हेल्दी फैट्स, जिंक, मैग्नीशियम, प्रोटीन, सेलेनियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो व्यक्ति को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। पनीर में मौजूद पोटेशियम मेमोरी शार्प करने तो सेलेनियम प्रजनन क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। लेकिन आज बात पके हुए पनीर की नहीं बल्कि कच्चे पनीर को खाने से मिलने वाले फायदे की हो रही है।

हड्डियां रखें मजबूत

अगर आपको जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है तो अपनी डाइट में कच्चे पनीर को शामिल करें। कैल्शियम और फॉस्फोरस से भरपूर पनीर हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में मदद करता है।

इम्यूनिटी करें बूस्ट

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर पनीर इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद करता है। यह संक्रमण से बचाव और उससे जल्दी रिकवरी में भी मदद करता है।

ब्लड प्रेशर रखे कंट्रोल

पनीर में मौजूद पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम बीपी को नॉर्मल बनाए रखने में मदद करते हैं।

त्वचा और बालों को रखें सेहतमंद

पनीर में मौजूद हाई क्वालिटी प्रोटीन त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

टेंशन और डिप्रेशन बढ़ाते हैं ये फूड

मौजूदा दौर में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं होना कोई नई बात नहीं है। आधुनिक युग में ये परेशानियां काफी प्रचलित हो गई हैं, खुशी से ज्यादा लोग अब टेंशन में डूबे दिखते हैं। वास्तव में चिंता और तनाव का कोई इलाज नहीं है। क्योंकि ऐसे तमाम लोग हैं जिन्होंने थेराप्यूटिक यानी चिकित्सा का सहारा भी लिया, लेकिन अपने मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में असफल हैं। ऐसे में हमें इस समस्या का समाधान खुद से ही खोजना होगा।

बहुत कम लोगों को पता है कि डेली रूटीन में खाए जाने वाले फूड आइटम्स भी टेंशन और स्ट्रेस का कारण होते हैं। लिहाजा उन खाद्य पदार्थों के बारे में जानकर चौंकें नहीं, जो तनाव को बढ़ावा देते हैं या मानसिक स्थिति को खराब करते हैं; जिनका आप रोजाना सेवन करते हैं। यहां हम इन ऐसे ही खाद्य पदार्थों की सूची जारी कर रहे हैं जिनके सेवन से आपकी टेंशन और तनाव को बढ़ावा मिलता है।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट

हृदय की समस्याओं, मधुमेह या मोटापे के बढ़ते जोखिम का एक सॉलिड रीजन रिफाइंड कार्बोहाइड्रेड है। मानसिक स्वास्थ्य संगठन के एक शोध ने साबित किया कि रिफाइंड चीनी सहित रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से चिंता और अवसाद दोनों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो जल्द ही सफेद आटा, सफेद ब्रेड, सफेद चावल, एगेव चीनी, सिरप, कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स प्रोसेप्ड स्नैक्स, पास्ता आदि के उपयोग को छोड़ने का प्रयास करें। इनकी बजाए आप हेल्दी आहार के तौर पर ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ, अनाज, साबुत ब्रेड या अंकुरित गेहूं के आटे का प्रयोग करें।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

कैफीन युक्त ड्रिंक के सेवन से भी चिंता, तनाव और अनिद्रा की समस्या होती है। थोड़ी मात्रा में कैफीन का सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप इसे अधिक मात्रा में लेते हैं तो जल्द ही चिंता, तनाव का शिकार हो सकते हैं। यह मत भूलिए कि सामान्य चाय, कुछ चॉकलेट और यहां तक कि फ्लेवर्ड केक में भी कैफीन होता है। इसके बजाय आपको हर्बल टी, पुदीना, नींबू या नारियल पानी का विकल्प चुनना चाहिए।

शराब

शराब लिवर ही नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। बहुत से लोग ब्रेकअप, मिजाज या गुस्से को दूर करने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। वे इसे मूड ठीक करने का एक बढ़िया सोर्स मानते हैं लेकिन इसके विपरीत हमारी सेहत को खराब कर देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शराब दिमाग में सेरोटोनिन और न्यूरोट्रांसमीटर की एक्टिविटी को बदल देती है जिससे चिंता बढ़ जाती है। इसकी बजाए आपको मोजितो या मॉकटेल या गैर-अल्कोहल बियर का सेवन करना चाहिए।

ट्रांस फैट

हर बार जब आप चिप्स या चिकन नगेट्स का पैकेट खोलते हैं, तो याद रखिए इससे आपकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। तेल से तले खाद्य पदार्थों की बजाए आपको घी, मक्खन जैसे संतृप्त वसा से बने स्नैक्स का सेवन करना चाहिए।

चीनी युक्त खाद्य पदार्थ

मीठे खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा यानी ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं जो हमारे एनर्जी लेवल को भी प्रभावित करते हैं। यहां तक कि मूड को भी इंबैलेंस कर सकते हैं जिससे टेंशन बढ़ती है। इसलिए आपको ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन भी बंद करना चाहिए जिनमें चीनी की अत्यधिक मात्रा हो। प्राकृतिक चीनी के विकल्प में आप एरिथ्रिटोल और याकॉन सिरप से बने प्रोडक्ट्स का उपयोग करने का प्रयास करें। प्राकृतिक फलों और सब्जियों का रस चीनी से बने खाद्य पदार्थों से कहीं बेहतर हैं।

अधिक मात्रा में नमक

शरीर में अतिरिक्त सोडियम गुर्दे के साथ-साथ तंत्रिका तंत्र को भी हानि पहुंचा सकता है। नमक मूड विकारों जैसे मूड स्विंग, टेंशन, तनाव और अवसाद, यहां तक कि थकान को भी जन्म दे सकता है। इसलिए नमक का सेवन कम से कम करें।

ग्रीस फुटबॉल क्लब ओलंपियाकोस ने यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग का खिताब जीता

एथेंस। ग्रीस के फुटबॉल क्लब ओलंपियाकोस ने बुधवार को एथेंस में इतालवी क्लब फिओरेंटीना को 1-0 से हराकर 2023/24 यूईएफए यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग का खिताब जीत लिया है। ओलंपियाकोस के फॉरवर्ड अयूब एल काबी ने अतिरिक्त समय के 115वें मिनट में गोल करके एईके एरिना स्टेडियम में रेड्स ऑफ पिरियस को जीत दिलाई। यह जीत ओलंपियाकोस के इतिहास में पहली यूरोपीय ट्रॉफी और किसी भी ग्रीक फुटबॉल क्लब के लिए पहला यूरोपीय खिताब है। ग्रीक प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने एक्स पर लिखा, "ओलंपियाकोस ने इतिहास रच दिया। क्लब और पूरे ग्रीक फुटबॉल के लिए एक शानदार शाम।" जब रेफरी ने अंतिम सीटी बजाई, तो ग्रीक प्रशंसक स्टेडियम के अंदर और बाहर जश्न मनाने लगे। हजारों लोग नगरपालिका द्वारा स्थापित विशाल स्क्रीन पर फाइनल देखने के लिए पिरियस के केंद्रीय चौक में एकत्र हुए थे।

फ्रेंच ओपन : स्विएटेक ने रोमांचक मैच में ओसाका को हराया, अल्काराज भी आगे बढ़े

पेरिस। गत चैंपियन इगा स्विएटेक ने बुधवार को एक मैच प्वाइंट बचाते हुए दूसरे दौर के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को शिकस्त दी। यह रोमांचक मुकाबला लगभग तीन घंटे तक चला, जिसके बाद 22 वर्षीय पोलिश खिलाड़ी स्विएटेक ने वापसी करते हुए 7-6 (7-1), 1-6, 7-5 से जीत हासिल की। ओसाका ने बेसलाइन पर कई शक्तिशाली हमले किए, जिससे वह टूर्नामेंट में सबसे बड़ा उलटफेर करने और क्ले कोर्ट पर शीर्ष 10 खिलाड़ियों पर अपनी पहली जीत दर्ज करने के करीब पहुंच गईं, हालांकि, शीर्ष वरीयता प्राप्त स्विएटेक ने अच्छी चुनौती देते हुए वापसी की और जीत दर्ज की। मैच के बाद स्विएटेक ने कहा, "यह बहुत ही जोरदार मुकाबला था, दूसरे दौर के मैच के लिए मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक जोरदार। हमने कुछ बेहतरीन टेनिस खेला।"

ओसाका के खिलाफ हार से बचने का मतलब है कि स्विएटेक ने अब रोलांड गैरोस में अपने 32 मैचों में से केवल दो हारे हैं

ओसाका। जो अब 134वें स्थान पर हैं, ने कहा, "जब मैं कोर्ट से बाहर निकली तो मैं रो पड़ी, लेकिन फिर, मुझे एहसास हुआ कि मैं पिछले साल इगा को यह टूर्नामेंट जीतते हुए देख रही थी, और मैं गर्भवती थी। उसके साथ खेलने में सक्षम होना मेरा सपना था।" स्विएटेक का अगला मुकाबला 42वीं रैंक वाली चेक मैरी बुज़कोवा या क्रोएशिया की दुनिया की 135वें नंबर की खिलाड़ी जना फेट से होगा। पुरुष एकल वर्ग में, कार्लोस अल्काराज ने कोर्ट फिलिप-चैटियर की छत के नीचे जेस्पर डी जोंग को 6-3, 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर लगातार चौथी बार रोलांड-गैरोस में राउंड ऑफ़ 32 में प्रवेश किया। रात के सत्र में खेल रहे दूसरे वरीय जननिक सिनर ने घरेलू दिग्गज रिचर्ड गैसकेट को सीधे सेटों में 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 22 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी अब पावेल कोटोव का सामना करेंगे, जिन्होंने स्टेन वावरिंका को 7-6(5), 6-4, 1-6, 7-6(5) से हराया।

मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर: अंकुशिता बोरो, निशांत देव क्वार्टर फाइनल में

बैंकॉक। पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (60 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) ने बुधवार रात अपने-अपने भार वर्ग में आसान जीत दर्ज करते हुए दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बोरो का मुकाबला एशियाई चैंपियन कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेन्को से था। लेकिन भारतीय मुक्केबाज को अपने प्रतिद्वंद्वी के कद से कोई फर्क नहीं पड़ा और वह राउंड 1 से ही अपने मुक्कों पर काबू पा गई और पूरे मुकाबले में कभी भी परेशानी में नहीं दिखी और 4-1 से जीत हासिल की। दिन के आखिरी मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत ने थाईलैंड के पीरापत येसुंगनोएन को 5:0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की आधारशिला है बंगाल प्रो टी 20 लीग : आकाशदीप

कोलकाता। बंगाल प्रो टी 20 लीग का उद्घाटन संस्करण 11 जून से कोलकाता के ईडेन गार्डेन में शुरू हो रहा है, जो न सिर्फ प्रशंसकों के मनोरंजन का साधन है बल्कि युवा प्रतिभाओं को उभारने का भी मजबूत प्लेटफार्म है। लीग में हिस्सा ले रही फ्रेंजाइजी सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के तेज गेंदबाज आकाशदीप ने इस टूर्नामेंट की सराहना करते हुए कहा, "मैं सिलीगुड़ी के लिए खेलने को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। सिलीगुड़ी कोलकाता से काफी दूरी पर स्थित है और बंगाल प्रो टी 20 लीग में इसका प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। यह लीग बंगाल की युवा प्रतिभाओं के लिए तो एक मजबूत प्लेटफार्म है ही साथ ही सिलीगुड़ी के खिलाड़ियों के भविष्य की भी मजबूत नींव है।" रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम का हिस्सा रहे 27 वर्षीय आकाशदीप ने हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम में भी पदार्पण किया है। आकाशदीप ने गुरुवार को फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, "मैं पिछले दो महीने से आईपीएल खेल रहा हूं और पूरी कोशिश करूंगा कि इस अनुभव का फायदा अपनी टीम को पहुंचा पाऊं और हम एक कड़े प्रतिस्पर्धी बन कर उभरें। मैं इस साल पूरी तरह से अपने खेल का मजा ले रहा हूं और इस लीग के लिए पूरी तरह से आश्वस्त हूं।" अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा,

"सबसे पहले मुझे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ए के लिए चुना गया, तब मैं बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में खेल रहा था, तभी मुझे अपने भारत कॉल-अप के बारे में पता चला। मैं वह खिलाड़ी नहीं हूं जो टीम इंडिया में चुने जाने से खुश हो जाऊं, बल्कि मैं अपने देश के लिए कम से कम 50 से 100 टेस्ट खेलना चाहता हूं।'' तेज गेंदबाज ने आगे कहा, ''ट्रॉफी जीतना तभी संभव है जब आपका फोकस ट्रॉफी पर नहीं, बल्कि सारे मैच जीतने पर हो और इसके लिए मैं लगातार सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स प्रबंधन, कोचों और खिलाड़ियों से बातचीत करके रणनीतियां तैयार कर रहा हूं।" सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की टीम, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग का प्रतिनिधित्व कर रही है। अरिवा स्पोर्ट्स की देखरेख में आयोजित हो रही बंगाल प्रो टी 20 लीग की अवधारणा आईपीएल की तर्ज पर की गई है जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 से 28 जून तक खेला जाएगा।

टीम सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स (पुरुष): आकाश दीप (मार्की खिलाड़ी), ऋत्विक रॉय चौधरी, सूरज सिंधु जायसवाल, विकास सिंह, अभिषेक कुमार रमन, राजकुमार पाल, अंकुर पॉल, शांतनु, युवराज दीपक केसवानी, तुहिन बनर्जी, महादेब दत्ता, राहुल गुप्ता, रोहित कुमार, आदित्य सिंह, ऋषभ विवेक, विशाल भाटी, युधाजीत गुहा

टीम सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स (महिला): प्रियंका बाला (मार्की खिलाड़ी), बृष्टि माझी, प्रीति मोंडल, जाह्नवी राज पासवान, दिपिता घोष, पम्पा सरकार, समयिता अधिकारी, मल्लिका रॉय, प्रिया पांडे, अभिश्रुति धर, सोहिनी यादव, अंजलि बर्मन, चंद्रिमा घोषाल, मुस्कान सिन्हा, स्निग्धा बैग, श्रीतामा माली।

चेन्नई में आयोजित इंडियन ग्रां प्री में अब्दुल्ला अबूबकर, रोजी पॉलराज पर होंगी निगाहें

चेन्नई। एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के तत्वावधान में तमिलनाडु एथलेटिक एसोसिएशन (टीएनएए) द्वारा आयोजित सीज़न का दूसरा इंडियन ग्रां प्री आज यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाएंगे। देश भर के शीर्ष एथलीट, 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर बाधा दौड़, 1500 मीटर, 5000 मीटर, पोल वॉल्ट, ट्रिपल जंप, शॉट पुट और जेवलिन थ्रो में प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह प्रतियोगिता इस साल के पेरिस ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल में से एक है। कुल चार ग्रैंड प्रिक्स प्रतियोगिताएं हैं, और पहली अप्रैल में बेंगलुरु में हुई थी। 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के रजत पदक विजेता और 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता ट्रिपल-जंपर अब्दुल्ला अबूबकर पर सभी की नज़र रहेगी। रोजी मीना पॉलराज, जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं, पवित्रा वेंकटेश और बरानिका एलंगोवन महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पुरुषों की 200 मीटर और 400 मीटर में क्रमशः संतोष और के. अविनाश, और पुरुषों की ट्रिपल जंप में मोहम्मद सलाहुद्दीन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले तमिलनाडु के कुछ बेहतरीन एथलीट हैं।

एफसी गोवा ने ब्रैंडन फर्नांडिस को दी भावनात्मक विदाई

नई दिल्ली। एफसी गोवा ने स्थानीय खिलाड़ी और अपने सबसे लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक ब्रैंडन फर्नांडिस को भावभीनी और भावनात्मक विदाई दी, जिनका अनुबंध इस गर्मियों में समाप्त होने वाला है। ब्रैंडन प्रतिष्ठित नारंगी शर्ट पहनने वाले सबसे सम्मानित सम्मानित फुटबॉलरों में से एक हैं। 2017 की गर्मियों में गोवा में शामिल होने के बाद, भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने सभी प्रतियोगिताओं में क्लब के लिए 130 मैच खेले हैं, जो आज तक किसी भी खिलाड़ी के लिए दूसरा सबसे अधिक मैच है। 29 वर्षीय ब्रैंडन ने गोवा के लिए 31 गोल करने में सहायता की है जो एक रिकॉर्ड है। इसके अलावा उन्होंने गोवा के लिए 17 गोल भी किये हैं, जिसमें इस वर्ष के शुरू में चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है, जिसने टीम को दो वर्ष के अंतराल के बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप प्लेऑफ के सेमीफाइनल में पहुंचाया था। ब्रैंडन ने 2019-20 सीज़न में क्लब की आईएसएल लीग शील्ड जीत और 2021 में डूरंड कप जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2019 में उन्हें पहली बार सीनियर भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया। इसके बाद से उन्होंने ब्लू टाइगर्स के सेटअप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और 2021 में टीम के साथ सैफ चैंपियनशिप जीती है। एफसी गोवा के सीईओ

रवि पुस्कर ने आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से कहा, "ब्रैंडन ने सात साल तक एफसी गोवा का बैज बड़े गर्व के साथ पहना और क्लब के मैदान के अंदर और बाहर के मूल्यों के लिए एक शानदार एंबेसडर रहे। वह क्लब के ताने-बाने में समा गए और उन स्तंभों में से एक थे जिन पर खेल की सफलता का निर्माण हुआ। हम उन्हें बहुत मिस करेंगे और वह क्लब के सच्चे आइकन में से एक के रूप में जाने जाएंगे।" उन्होंने कहा, "भले ही ब्रैंडन क्लब छोड़कर जा रहे हों, लेकिन एफसी गोवा में उनका हमेशा स्वागत किया जाएगा, चाहे वह किसी भी पद पर हों और इस क्लब में उनके और उनके परिवार के लिए हमेशा एक खास जगह रहेगी।

टी20 विश्व कप 2024: बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच से शुरु होगा भारत का अभियान, ये है पूरा कार्यक्रम

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 वेस्टइंडीज और अमेरिका में 1 जून से शुरू होगा, जिसके उद्घाटन मुकाबले में मेजबान अमेरिका का सामना टेक्सास के डलास में कनाडा से होगा। भारत का अभियान शनिवार 1 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच से शुरू होगा। ग्रुप ए में भारत का पहला मैच 5 जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफ होगा, जिसके बाद 9 जून को उसी नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी।

टी20 विश्व कप में भारत का कार्यक्रम- बनाम बांग्लादेश - 1 जून को न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास मैच

बनाम आयरलैंड - 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में।

बनाम पाकिस्तान - 9 जून को न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में।

बनाम यूएसए - 12 जून को न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में।

बनाम कनाडा - 15 जून को लॉडरहिल के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में।

व्यापार

थमी नहीं शेयर बाजार में गिरावट, लगातार पांचवें दिन लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। चौतरफा बिकवाली के दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार रिकवरी करता हुआ नजर आया। थोड़ी ही देर बाद मुनाफावसूली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज के कारोबार के दौरान बैंकिंग को छोड़ कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। आज सबसे अधिक गिरावट कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में देखी गई। इसी तरह एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और हेल्थ केयर सेक्टर में भी 1 से लेकर 2 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.33 प्रतिशत टूट कर आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 411.21 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 415.09 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.88 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 3,917 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,208 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,601 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 108 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,266 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 509 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,757 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 6 शेयर हरे निशान में और 44 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 137.02 अंक फिसल कर 74,365.88 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण ये सूचकांक रिकवर करके 74,493.55 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक में लगातार गिरावट आती गई। खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि ये सूचकांक 834.17 अंक टूट कर 73,668.73 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 617.30 अंक की कमजोरी के साथ 73,885.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 87.25 अंक की कमजोरी के साथ 22,617.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण ये सूचकांक कुछ देर के लिए उछल कर हरे निशान में 22,705.75 अंक तक भी पहुंचा। इसके बाद मुनाफावसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया।

बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 287.70 अंक टूट कर 22,417 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 216.05 अंक की गिरावट के साथ 22,488.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईसीआईसीआई बैंक 1.06 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 0.71 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 0.43 प्रतिशत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 0.39 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा स्टील 5.50 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.54 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.46 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 3.21 प्रतिशत और विप्रो 3.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, महंगा हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन मजबूती नजर आ रही है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के भाव में पिछले दिन के मुकाबले 250 रुपये से लेकर 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 73,920 रुपये से लेकर 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,760 रुपये से लेकर 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी मजबूती आई है। आज की तेजी के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 97,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,210 रुपये प्रति 10

ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अगर 31 मई तक पैन को आधार से नहीं जोड़ा तो कटेगा दोगुना टीडीएस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने करदाताओं को टीडीएस कटौती से बचने के लिए 31 मई, तक स्थायी खाता संख्या (पैन) को आधार से जोड़ने की सलाह दी है। विभाग ने इस प्रक्रिया को पूरा करने की जानकारी विस्तार से दी है। आयकर विभाग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि ऊंची दर पर कर कटौती (टीडीएस) से बचने के लिए मात्र एक दिन का समय बचा है।

ऐसे में करतादाता 31 मई से पहले अपने स्थायी खाता संख्या (पैन) को आधार से जोड़ लें। आयकर एक्ट के मुताबिक यदि पैन बायोमेट्रिक आधार से जुड़ा नहीं है तो लागू दर से दोगुनी दर पर टीडीएस काटा जाना आवश्यक है।

हालांकि, आयकर विभाग ने पिछले महीने एक परिपत्र जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि यदि निर्धारित तारीख 31 मई तक अपने पैन को आधार से लिंक किया जाता है, तो कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आरबीआई का 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। वित्त वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था ने लगातार चुनौतियों के बावजूद जुझारुपन दिखाया है। रिजर्व बैंक ने अपनी इस रिपोर्ट में अप्रैल 2023 से मार्च 2024 की अवधि के लिए केंद्रीय बैंक के कामकाज को शामिल किया गया है।

रिजर्व बैंक ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.0 फीसदी में जोखिम दोनों तरफ समान रूप से संतुलित होंगे।

खान मंत्रालय का लघु खनिज क्षेत्र में सुधार के लिए केंद्र व राज्य के बीच सामूहिक पहल पर जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय खान मंत्रालय ने बेंगलरु में ग्रेनाइट और संगमरमर खनन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। खान सचिव वीएल कांता राव ने इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए लघु खनिज क्षेत्र में सुधार के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सामूहिक पहल पर जोर दिया। खान मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि कर्नाटक के बेंगलुरु में ग्रेनाइट और संगमरमर खनन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान खान सचिव ने खनन क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों और सुधारों को रेखांकित किया। उन्होंने राज्य सरकारों से लघु खनिज क्षेत्र में भी ऐसे सुधार करने का अनुरोध

किया। खान सचिव ने कहा कि केंद्र ने 'नेशनल जियो-डेटा रिपोजिटरी' मंच के जरिए व्यापक डेटा और अन्वेषण संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई है, जिससे सभी हितधारकों के लिए डेटा तक पहुंच आसान हो गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों से एकत्रित आंकड़ों पर आधारित इस पहल का उद्देश्य खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना है। इस अवसर पर मौजूद कर्नाटक सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव और विकास आयुक्त डॉ. शालिनी रजनीश ने ग्रेनाइट एवं संगमरमर खनन क्षेत्र में प्रशासनिक, प्रौद्योगिकी और अन्य मुद्दों का समाधान खोजने के लिए सरकार तथा उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर बल दिया। इस कार्यशाला में केंद्रीय खान मंत्रालय की संयुक्त सचिव डॉ. वीना कुमारी डी, कर्नाटक के खान एवं भूविज्ञान सचिव रिचर्ड विंसेंट, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण बेंगलुरु के वरिष्ठ पदाधिकारी; आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु के खनन और भूविज्ञान निदेशालय; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निजी खनन उद्योग के प्रतिनिधि, खनन संघ और अन्य हितधारक शामिल हुए।

टीवी और ओटीटी के सेटअप से बाहर आना चाहते हैं दर्शक

सीक्रेट सुपरस्टार ने राज अर्जुन को स्टार बना दिया। वह हिंदी और साउथ सिनेमा में काफी काम कर चुके हैं। ऐक्टर के जीवन में ऐसे मौके भी आए, जब उन्होंने नकारात्मक किरदारों से दर्शकों की नफरत बटोरी। वह इसे अपने लिए उपलब्धि मानते हैं। अभिनेता बायॉपिक को इम्तिहान समझते हैं और इसके लिए मजबूत तैयारी भी जरूरी मानते हैं। इस बार वह चर्चा में हैं अपनी एक और नकारात्मक भूमिका वाली फिल्म रजाकार को लेकर।

बायॉपिक ऐक्टर का इम्तिहान होती हैं

जब आप किसी भी बायॉपिक या असल जिंदगी पर आधारित कहानी का हिस्सा बनते हैं तो बतौर कलाकार आपकी जिम्मेदारी और मेहनत बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप कुछ गलत करते हैं तो फिर लोग आपसे सवाल करेंगे। जिस तरह एक छोटा बच्चा परीक्षा की तैयारी करता है, वैसे ही यह ऐक्टर का इम्तिहान होता है। हमारी जिम्मेदारी यही बनती है कि अपने ग्राफ और क्राफ्ट को खराब ना किया जाए। रियल कैरेक्टर्स में आप कुछ भी फेक नहीं दिखा सकते।

इंडस्ट्री में अब कॉन्टेंट को तवज्जो मिल रही है

कोविड के समय थोड़ा इंडस्ट्री डगमगाई थी, अब फिर से वापस गाड़ी पटरी पर लौट आई है। ओटीटी के आने से तब लोगों को लगने लगा था कि अब दर्शक सिनेमाघरों में जाना बंद कर देंगे लेकिन अब फिर से लोगों में कमाल का क्रेज देखने को मिल रहा है। अब हमारी ऑडियंस टीवी और वेब सीरीज वाले सेटअप से थोड़ा बाहर आना चाहती है। यह दौर सिनेमा के लिए अच्छा चल रहा है। इंडस्ट्री में कॉन्टेंट को तवज्जो मिल रही है। हर एक-दो महीने में कोई बढ़िया फिल्म रिलीज हो रही और दर्शक थिएटर पहुंच रहे।

आगे दर्शकों को मारधाड़ करता दिखूंगा

किसी भी कलाकार के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि लोग उसके नकारात्मक किरदार को देखकर सच में उससे नफरत करने लगें। हर कोई अलग-अलग धारणा बना लेता है। कोई आपको गाली देने लगता है या कोई कहता है कि आपने बहुत बुरा किया। मैं इन सबसे बहुत खुश होता हूं कि मैं जो इतने बरसों से तपस्या कर रहा हूं, लोग उसे सच्चा मान रहे हैं। यह एक तरह से मेरे लिए प्रशंसा ही है। मैं अपनी सही शुरुआत 'सीक्रेट सुपरस्टार' से मानता हूं। उसके बाद मैंने उसी जॉनर की फिल्म थलाइवी की। मेरी यह फिल्म, जिसके लिए हम लखनऊ आए हैं, वो भी इसी बीट की है। आगे कमर्शल सिनेमा में मारधाड़ करता दिखूंगा।

अब मैं मां का रोल नहीं करूंगी तो क्या 80 साल में करूंगी?

डेढ़ दशक से हिंदी सिनेमा में सक्रिय अहाना कुमरा इंडस्ट्री के किसी ग्रुप का हिस्सा न बनी हैं और न बनना चाहती हैं। वह सब्र को अहमियत देती हैं और थोड़े-थोड़े इंतजार के बाद उसके मीठे फल का आनंद उठाती हैं। बीते दिनों उन्होंने इंडस्ट्री के ऑडिशन, ग्रुप, कॉमिडी से लेकर आउटसाइडर होने के नुकसान को खुलकर बताया।

अब नहीं तो क्या 80 साल में करूंगी मां का रोल

मैंने बीच में दो साल काम नहीं किया लेकिन फिर रजत कपूर और पूरब कोहली के साथ एक महीना देहरादून में शूटिंग की। यह फिल्म आजकल के पैरंट्स और बच्चों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। आजकल पैरंट्स के बीच बहुत सारे डिफरेंसेज नजर आते हैं। ऐसे में छह-सात साल का बच्चा उनकी नोकझोंक के बीच पिसता रहता है। वैसे, आजकल तलाक भी बहुत नॉर्मल हो गए हैं। मैं सुनती हूं कि छह महीने में तलाक हो गया, जबकि शादी में इतने खर्चे हुए। यह एक ऐसी फिल्म है, जो बच्चे के पॉइंट ऑफ व्यू से शादी को दिखाएगी। इसमें मैं मां और पूरब पिता का रोल कर रहे हैं, जबकि रजत कपूर मेरे पिता की भूमिका में दिखेंगे। मैं मां का किरदार करने से नहीं डरती। अब मैं मां का रोल नहीं करूंगी तो क्या 80 साल में करूंगी। आजकल की हीरोइनें इस तरह के स्टीरियोटाइप किरदार में नहीं फंसना चाहतीं।

हमारे यहां जितना सब्र, उतना फल मीठा

फिल्म इंडस्ट्री में लोग सिर्फ अपने बच्चों को काम दिलाने की कोशिश करते हैं। वैसे भी, कौन सी फील्ड है, जहां नेपोटिज़्म नहीं है। हमारे प्रोफेशन में पहली बार में काम मिलना मुश्किल होता है। खासकर, लड़कियों के लिए। जब पहली बार में काम मिलना शुरू होता है, तब तक 10 साल गुजर गए होते हैं। आज का दौर यह है कि बड़ी-बड़ी मैग्जीन्स में बड़े लोगों के बच्चों की फोटोज छप जाती हैं, जबकि उन तक पहुंचने में हमारे जैसे आउटसाइडर्स को 10-15 साल लगते हैं। आप चाहें जयदीप अहलावत, गुलशन देवैया या विजय वर्मा जैसे किसी भी ऐक्टर को ले लीजिए। कितनी कमर कसनी पड़ती, कितना ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। यहां औरतों के लिए और मुश्किल है क्योंकि उनके लिए तो रोल ही नहीं लिखे जाते। जो अच्छे दो-चार रोल लिखे भी जाते हैं, वो किसी की बच्ची, किसी की भतीजी या प्रोड्यूसर के रिश्तेदार को दे दिए जाते हैं। असल में, कलाकारों के लिए ही वेटिंग गेम बना है। आप यहां जितना सब्र करेंगे, उतना ही फल मीठा होगा। अब सब्र का फल मीठा मिल रहा है।

न रही और न रहूंगी किसी ग्रुप का हिस्सा

मैं ना पहले थी और ना अब हूं और ना आगे भी किसी ग्रुप का हिस्सा बनूंगी। सबको लगता है कि आप बड़े-बड़े लोगों की पार्टियों में जाएंगे, साथ में घुलेंगे-मिलेंगे, डिनर करेंगे लेकिन इन सबके लिए मेरे पास समय नहीं। मैं सुबह से शाम तक भाग रही होती हूं। मैंने एक ट्रैवल शो किया था। बीच में जो काम नहीं किया, उसमें बस पूरे भारत का भ्रमण किया। भारत दर्शन करने में बहुत मज़ा आया क्योंकि हमारे जैसा कोई दूसरा देश है ही नहीं। साउथ, नॉर्थ कितना अलग-अलग है। हर जगह नया कल्चर, नई संस्कृति है। खाना भी जगह के हिसाब से बदलता रहता है। मैं पूरी दुनिया घूमी हूं लेकिन जो मेहमाननवाज़ी भारत में है, वैसी कहीं और नहीं। ट्रैवल शो के दौरान मुझे नए-नए लोगों से मिलने और नई-नई कहानियों को सुनने का मौका मिला। मैंने करीब एक साल सिर्फ ट्रैवलिंग ही की।

ओटीटी की दुनिया की स्टार हैं अनुप्रिया गोएंका

अनुप्रिया गोएंका आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। अनुप्रिया आज भले ही ओटीटी पर अपने शोज को लेकर जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा था, जब अभिनेत्री को अपनी फिल्मी पारी शुरू करने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। अनुप्रिया ने साल 2013 में तेलुगु फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अनुप्रिया ने फिल्मों में अपने पांव जमा लिए, अभिनेत्री 'वॉर' में अदिति, 'टाइगर जिंदा है' में पूर्णा और संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पद्मावत' में रानी नागमति का किरदार निभा चुकी हैं। बॉबी देओल स्टारर वेब सीरीज 'आश्रम' में भी उनकी अदाकारी को काफी सराहा गया था। इसके अलावा अनुप्रिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ काफी कनेक्ट भी।

सामंथा ने हासिल किया आईएमडीबी की विशेष सूची में मिला 13वां स्थान

भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्हें पिछले दशक के 100 सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले भारतीय कलाकारों की आईएमडीबी सूची में 13वां रैंक मिला है। भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। उनका नाम पिछले दशक के 100 सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले भारतीय कलाकारों की आईएमडीबी सूची में शामिल हुआ है। वह ना सिर्फ इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुई हैं, बल्कि उन्हें काफी ऊंची रैंक भी हासिल हुई है। उन्होंने इस सूची में 13वां स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा वह शीर्ष 15 कलाकारों में शामिल होने वाली दक्षिण भारतीय फिल्मों की एकमात्र अभिनेत्री हैं। बताते चलें कि ये रैंकिंग उन सितारों को मिलती है, जो जनवरी 2024 से अप्रैल 2024 तक लगातार साप्ताहिक रैंकिंग में ऊंची रैंक प्राप्त करते हैं। ये रैंकिंग आईएमडीबी के वास्तविक पेज को मिलने वाली व्यूज दर्शाती है, जिस पर दुनिया भर से 200 मिलियन से भी अधिक मासिक आगंतुक आते हैं। इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने और दक्षिण की एकमात्र महिला अभिनेता होने पर सामंथा ने कहा, यह उन सभी निर्देशकों, लेखकों और निर्माताओं के प्रयासों का मेल है, जिन्होंने इसमें योगदान दिया है और यय दर्शकों ने मुझे पर जो अविश्वसनीय प्यार और विश्वास दिखाया है, उसका परिणाम है। वास्तव में गौरवान्वित और अभिभूत हूँ। इस सम्मान के लिए आईएमडीबी को धन्यवाद।

सैफ के साथ अभिनय का जलवा बिखेरेंगी निकिता दत्ता

फिल्म कबीर सिंह से चर्चा में आईं निकिता दत्ता जल्द ही ज्वेल थीफ- द रेड सन में नजर आने वाली हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक अभिनेत्री ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद निकिता ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सेट की तस्वीरें साझा कीं। इन फोटोज में वे निर्माता ममता आनंद और निर्देशक के साथ सह-कलाकार कुणाल कपूर और सैफ अली खान के साथ नजर आ रही हैं। पोस्ट की गई एक तस्वीर में सैफ को टोपी, भूरे रंग की टी-शर्ट और काली पैंट पहने देखा जा सकता है, जबकि निकिता काली ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं, एक अन्य फोटो में अभिनेत्री फिल्म की शूटिंग पूरी होने का जश्न मनाते हुए पूरी टीम के साथ दल की एक समूह तस्वीर भी पोस्ट की।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

ज्वेल थीफ- द रेड सन का निर्माण सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद अपने बैनर मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्देशन रॉबी ग्रेवाल कर रहे हैं। फिल्म की कहानी कथित तौर पर सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के पात्रों के बीच एक मनोरंजक लड़ाई के आसपास केंद्रित होगी। रॉबी के साथ सैफ की यह पहली फिल्म है। इस प्रोजेक्ट के लिए सैफ और सिद्धार्थ कई वर्षों के बाद एक साथ आए हैं। सैफ इससे पहले सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी सलाम नमस्ते और ता रा रम पम में काम कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक ज्वेल थीफ- द रेड सन चैप्टर सीधा ओटीटी पर रिलीज की जाएगी।

अब बच्चे जैसा चाहते हैं, हमें वैसा व्यवहार करना पड़ता है

जानी-मानी एक्ट्रेस शेफाली शाह ने एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। उनके काम को लोग बहुत पसंद करते हैं। शेफाली की पर्सनल लाइफ के साथ-साथ प्रोफेशनल लाइफ भी काफी चर्चे में रही है। शेफाली शाह ने हाल ही में कई बातें की हैं।

टीवी, सिनेमा और अब आप ओटीटी में काम कर रही हैं। आपको क्या लगता है कि बदलते माध्यमों के साथ एक ऐक्टर की जिंदगी में क्या बदलाव आए हैं?

सिनेमा में एक पहले सिर्फ हीरो और एक हीरोइन पर फोकस किया जाता था। बाकी जो भी ऐक्टर्स थे, उनको नजरअंदाज किया जाता था। सब कैरेक्टर हीरो-हीरोइन के साथ कैसे जुड़े हुए हैं, उस हिसाब से पहचाने जाते थे, जैसे हीरो की मां, हीरो की दोस्त वगैरह। लेकिन ओटीटी के आने की वजह से पूरा शो, सीरीज या फिल्में बन रही हैं, उनमें पूरी की पूरी कास्ट मजबूत होती है और शो में मुख्य किरदार की तरह होती है। उसकी वजह से मेरे जैसे बहुत से ऐक्टर्स को काम मिला। ये सभी ऐक्टर्स के लिए अहम है क्योंकि हमारा काम अब इंटरनेशनल स्तर पर भी देखा जा सकता है।

लेकिन क्या आज वो दौर आ चुका है जहां कोई ऐक्ट्रेस खुद कह सके कि मैं ये प्रोजेक्ट करूंगी और ये नहीं?

मैंने हमेशा से वो ही किया है, जो मुझे करना था। वो लोगों की एक व्यक्तिगत पसंद होती है और ये चॉइस मैंने हमेशा की है। कुछ फिल्में थी जिनमें अगर मैं होती तो और ज्यादा फेमस होती। लेकिन वो सब्जेक्ट मेरे दिल को नहीं छुआ तो मैंने उनको नहीं किया। तो ये चॉइस हमेशा मेरी होती है और आज हम उस दौर में हैं जब हम ऐसा कर सकते हैं।

आजकल सिनेमा में दर्शकों की जो कमी देखने को मिल रही है, जानकार कहते हैं कि ये ओटीटी का असर है। आपका इस बारे में क्या सोचना है?

असर तो रहेगा क्योंकि जब फिल्म सिनेमा पर रिलीज होती है, तो कुछ लोग ये सोचते हैं कि कुछ हफ्तों के बाद ओटीटी पर देख लेंगे। मगर हमारे देश में सिनेमा पर जाकर फिल्म देखना एक कल्चर है। पूरे परिवार के साथ जाओ, समोसा खाओ, साथ में हंसो और फिल्म एंजॉय करो, तो ये बदलने वाला नहीं है। लेकिन हां ओटीटी का असर तो होगा ही। बहुत सी फिल्में होती हैं जिसको देखकर दर्शक कहते हैं कि ये फिल्म तो मैं बड़ी स्क्रीन पर ही देखूंगा। तो ये नहीं बदलेगा।

आपने इंडस्ट्री में अपने काम से बड़ी जगह बनाई है। तो ऐसा कोई किरदार या कहानी जिसको आप करना चाहती हैं?

अभी तो बहुत कुछ करना है। मैं इसपर काम कर रही हूं। मैं ऐतिहासिक कहानियों का हिस्सा बनना पसंद करूंगी। मुझे बायॉग्राफी भी करनी हैं।